उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने दोबारा जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी कर ली है। इस चुनाव में कई ऐसी भी जिले रहे जहां भाजपा ने क्लीन स्वीप कर रिकार्ड बनाया है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 88 दिनांक: 11-03-2022 शुक्रवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर भाजपा के कार्यकर्ताओं की सराहना की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर करारा हमला बोला।

चार राज्यों में भगवा गुलाल पंजाब में आप का कमाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड समेत 5 राळयों में सरकार का फैसला हो गया है। भाजपा पंजाब को छोड़कर बाकी राळयों में सरकार बनाएगी। वहीं, पंजाब में आम आदमी पार्टी बंपर जीत के साथ सत्ता में पहुंची है। चुनाव में राजनीतिक दलों के दिग्गज अपनी सीट हार गए हैं। यूपी में एक बार फिर ऐतिहासिक जीत के साथ योगी राज वापस लौटा है। सपा को हालांकि 2017 के मुकाबले काफी ळयादा सीटें मिली हैं लेकिन सरकार बनाने का सपना एक बार फिर धराशायी हो गया। उत्तराखंड की बात करें तो कांग्रेस के सीएम फेस हरीश रावत चुनाव हार गए। उधर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कांग्रेस प्रतिद्वंदी भुवन चंद्र कापड़ी से चुनाव हार गए। पंजाब में बड़ा उलटफेर करते हुए आम आदमी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना रही है। आप के सीएम फेस भगवंत मान धुरी विधानसभा सीट से जीत चुके हैं। जबकि कांग्रेस पार्टी की बुरी दशा हुई है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी दोनों सीटों से चुनाव हार गए। वहीं, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू भी अपनी सीट हार गए। अकाली परिवार ने भी इस चुनाव में बुरी हार का सामना किया है। पार्टी के दोनों दिग्गज प्रकाश सिंह बादल और सुखबीर सिंह बादल अपनी सीटें हार गए। यहां कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी पटियाल सीट से हार का सामना करना पड़ा।

उत्तराखंड में टूटी सरकार बदलने वाली परंपरा

उत्तराखंड में अलग राळय बनने के बाद पांच साल कांग्रेस और पांच साल भाजपा सरकार रहने की परंपरा भी टूटी है। प्रदेश में पहली बार भाजपा की सरकार रिपीट हो रही है। 2017 के चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद पांच साल में भाजपा ने तीन सीएम बदले। सबसे पहले केंद्रीय नेतृत्व ने त्रिवेंद्र सिंह रावत को सीएम बनाया गया, लेकिन उनकी कार्यशैली से कार्यकर्ताओं और विधायकों में नाराजगी बढ़ती चली गई। चार साल बाद त्रिवेंद्र को हटाकर तीरथ सिंह रावत को सीएम बनाया गया। तीरथ की बयानबाजियों ने पार्टी को असहज स्थिति में ला खड़ा किया। संगठन के फीडबैक के आधार पर भाजपा ने तीसरी बार रिस्क लिया। दूसरी बार विधायक बने युवा नेता पुष्कर सिंह धामी को चुनाव से आठ माह पहले सीएम बनाया गया। धामी ने सक्रियता दिखाई, जिससे भाजपा चुनाव जीत गई। पर सीएम धामी खुद चुनाव हार गए।

मणिपुर में डिप्टी सीएम हारे

मणिपुर में जनता दल (यूनाइटेड) ने 5 सीट जीतकर सभी को चौंका दिया है। उधर, मणिपुर की यूरिपोक सीट पर बड़ा उलटफेर हो गया है। यहां भाजपा के रघुमणि सिंह ने एनपीपी के दिग्गज नेता व राळय के मौजूदा उप मुख्यमंत्री यू. जॉयकुमार सिंह को 909 वोटों से हरा दिया है।

गोवा में पहली बार आप की एंट्री, 2 सीटें जीती

देश के सबसे छोटे राळय गोवा में भाजपा का सरकार बनाना लगभग तय है। वह 20 सीटें जीती है और बहुमत से महज एक सीट पीछे रही है। उसे निर्दलियों का समर्थन भी मिल गया है। उधर, आम आदमी पार्टी को पहली बार विधानसभा में एंट्री मिली है। उसके दो उम्मीदवार जीत गए हैं, लेकिन पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने जिस अमित पालेकर को सीएम का चेहरा बनाया था वे ही चुनाव हार गए हैं।

पिता भाजपा को सत्ता में लाए, बेटा निर्दलीय लड़कर हार गया

पणजी सीट से भाजपा के दिवंगत नेता और राळय के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर मैदान में थे। भाजपा ने टिकट नहीं दिया तो वे निर्दलीय ही मैदान में उतर गए। उनके सामने भाजपा के अतानासियो मोनसेराटे और कांग्रेस के एल्विस गोम्स थे। उत्पल की वजह से ही अब यह मुकाबला त्रिकोणीय हो गया, लेकिन मोनसेराटे ने उन्हें 710 वोटों से हरा दिया।

राजभवन की जगह शहीद भगत सिंह के गांव में लेंगे शपथ

संगरूर, ईएमएस। पंजाब में आम आदमी पार्टी बंपर जीत की ओर से बढ़ रही है। आप नेता भगवंत मान राळय के अगले मुख्यमंत्री होंगे। पंजाब समेत पांच राळयों में चल रही वोटों की गिनती के बीच भगवंत मान ने कहा कि वो राजभवन की जगह शहीद भगत सिंह के गांव में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसके साथ-साथ उन्होंने सीएम ऑफिस में अपने पहले काम के बारे में बताते हुए कहा कि वो सबसे पहले बेरोजगारी पर काम करेंगे। आम आदमी पार्टी के पंजाब चुनाव परिणाम 2022 में जीत के बाद, अपने घर की छत से अपना विजय भाषण देते हुए, मान ने कहा कि राळय के किसी भी सरकारी कार्यालय में पंजाब के सीएम की तस्वीर की जगह शहीद भगत सिंह और डॉ बीआर अम्बेडकर की फोटो लगेगी। उन्होंने कहा कि वह राजभवन या किसी विशेष समारोह में शपथ लेने के पहले के चलन के बजाय वो शहीद भगत सिंह के जन्म स्थान खटकर कलां में शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि अब सरकार चंडीगढ़ दफ्तरों में बैठने की बजाय गांवों से चलाई जाएगी। यूक्रेन संकट को लेकर उन्होंने कहा कि देखिए हमारे छात्र पढ़ाई के लिए विदेश जा रहे हैं। उन्होंने कहा मेरी सरकार पहले बेरोजगारी की समस्या का समाधान करेगी। मान ने अपने विजय भाषण में कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि युवाओं को विदेश नहीं जाना पड़े... एक महीने के भीतर, आप बदलाव देखेंगे। अपनी मां बलवंत कौर के साथ, मान ने विपक्षी नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा मेरे और केजरीवाल के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, व्यक्तिगत टिप्पणी करने वालों को जनता ने दंडित किया है। मान ने विपक्षी नेताओं पर हमला बोलते हुए कहा बड़ा बादल हार गया।

पंजाब में स्ज्;0 साल में पहली बार बादल परिवार विधानसभा से बाहर

पंजाब में सियासी बदलाव के कयास तो पहले से थे, लेकिन नतीजों ने तो बदलाव की नई परिभाषा तय कर दी है। यहां आप ने न सिर्फ बहुमत के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया, बल्कि विनिंग सीट्स का ऐसा पहाड़ खड़ा कर दिया कि कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा समेत सहयोगी मिलकर भी आप के लगभग चौथाई हिस्से तक ही पहुंच पा रहे हैं। आप के सीएम कैंडिडेट भगवंत मान ने 45 हजार वोट से रिकॉर्ड जीत दर्ज की है। उन्होंने धूरी सीट से कांग्रेस के दलबीर गोल्डी को शिकस्त दी। मौजूदा सीएम चरणजीत चन्नी दोनों सीटों पर हार गए। वहीं, नवजोत सिद्धू, कैप्टन अमरिंदर, सुखबीर बादल को भी आप के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा। स्ज्;0 साल में पहली बार बादल परिवार का कोई सदस्य विधानसभा चुनाव नहीं जीता।

केजरीवाल बोले- पंजाब में इंकलाबी जीत

यूपी, पंजाब, गोवा, उत्तराखंड और मणिपुर विधानसभा चुनाव के शुरुआती रिजल्ट आने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के लोगों को बधाई दी है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने ट्वीट कर हार स्वीकार ली है। किसान नेता राकेश टिकैत ने शुरुआती नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार किसी की भी बनें, हमारा आंदोलन मजबूत है। उन्होंने कहा कि नए मुख्यमंत्री को अपना वादा पूरा करना होगा। सरकार को अब एमएसपी पर कमेटी बनानी होगी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि रिजल्ट आने के बाद भाजपा आज ही सरकार बनाने का दावा पेश करेगी। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने ट्वीट कर लिखा कि जनता की आवाज भगवान की आवाज होती है। इस जनादेश को हम स्वीकार करते हैं।

शहीदे आजम भगत सिंह के गांव में शपथ लेंगे भगवंत मान, मुख्यमंत्री चन्नी कल देंगे इस्तीफा

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के चुनाव के परिणाम स्थापित पार्टियों के लिए सुनामी साबित हुए हैं। मात्र आठ साल पुरानी आम आदमी पार्टी के पक्ष में आई सुनामी में ऐसे ऐसे दिग्गजों को धराशायी कर दिया है जिनके बारे में कहा जा रहा था कि वे अजेय हैं। नतीजों ने साफ कर दिया है कि भगवंत मान पंजाब के नए मुख्यमंत्री होंगे। वह शहीद-ए-आजम भगत सिंह की धरती खटकड़ कलां में शपथ लेंगे। पंजाब के लोगों ने नवजोत सिंह सिद्धू के पंजाब मॉडल की बजाए अरविंद केजरीवाल को एक मौका पर ज्यादा भरोसा किया।

आम आदमी पार्टी ने राज्य की 117 में से 92 सीटें जीतकर प्रचंड जीत हासिल की है। हालांकि पार्टी शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी गठजोड़ को 1997 में हासिल हुई 93 सीटों से एक कम रह गई लेकिन इसे एक सिंगल पार्टी की सबसे बड़ी जीत कहा जाएगा। इससे पहले कांग्रेस ने 2017 के चुनाव में 77 सीटें जीतकर इसी तरह की जीत हासिल की थी।

सत्तारूढ़ कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही जिसे 18 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। शिरोमणि अकाली दल गठबंधन को चार, भाजपा को दो और एक आजाद उम्मीदवार को जीत मिली है। 2017 के चुनाव में आप को बीस, अकाली दल को 15, भाजपा को तीन और लोक इंसाफ पार्टी को दो सीटों पर विजय मिली थी। आम आदमी पार्टी की पंजाब में चली सुनामी का आलम उनके जीते 92 उम्मीदवारों के मार्जिन से लगाया जा सकता है। ज्यादातर उम्मीदवार 20 हजार से ज्यादा मार्जिन से जीते हैं लेकिन सबसे बड़ा मार्जिन अमन अरोड़ा का सुनाम से सामने आया है। वह 75277 हजार के अंतर से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के जसविंदर सिंह धीमान से जीते हैं।

आज के परिणामों ने सभी दिग्गजों को धूल चाटने पर मजबूर कर दिया है। अजेय बने हुए ये दिग्गज प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर सिंह बादल, बिक्रम सिंह मजीठिया, कैप्टन अमरिंदर सिंह, बीबी राजिंदर कौर भट्ठल, लगातार छह बार से जीत रहे परमिंदर सिंह ढींडसा, स्पीकर राणा केपी सिंह, काग्रेस के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू, मनप्रीत बादल आदि सभी अपनी अपनी सीटें भारी मतांतर से हार गए हैं। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी अपनी दोनों सीटों चमकौर साहिब और भदौड़ सीटें हार गए हैं। चन्नी कैबिनेट के मात्र छह मंत्री सुखजिंदर रंधावा, तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, अरुणा चौधरी, परगट सिंह, सुखबिंदर सिंह सरकारिया, अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और राणा गुरजीत सिंह ही अपनी सीटें बचा सके। मुख्यमंत्री समेत 11 मंत्री सीटें नहीं बचा सके।

2014 के लोक सभा चुनाव में 13 में से चार सीटों पर जीत कर पंजाब में अपना सफर शुरू करने वाली आप 2017 के विधानसभा चुनाव में 20 सीटें जीतकर प्रमुख विपक्षी पार्टी बनी

राष्ट्रवाद, विकास और सुशासन की हुई जीत-योगी

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में दूसरी बार भाजपा को बड़ी जीत मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे राष्ट्रवाद, विकास और सुशासन की जीत करार दिया है। साथ ही उन्होंने जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मार्गदर्शन और नेतृत्व को भी दिया। उन्होंने कहा कि यह बहुमत भाजपा के राष्ट्रवाद, विकास और सुशासन के मॉडल को यूपी की 25 करोड़ जनता का आशीर्वाद है। इसे हम सबको स्वीकार करते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विकास और सबके प्रयास के नारे पर आगे बढ़ना होगा।

चुनाव परिणामों और बढ़त के बीच देर शाम भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां मौजूद अपार भीड़ को सम्बोधित करते हुए कहा कि बीते पांच सालों में डबल इंजन की सरकार ने जिस तरह से यूपी में सुरक्षा देने का काम किया, उसे लोगों ने सराहा है। हमने जिस तरह से पीएम मोदी की लीडरशिप में विकास और कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाया है, उसका परिणाम है कि आज जनता ने जातिवाद, वंशवाद की राजनीति को परास्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी हमने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डटकर काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की यूपी, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पर पूरे देश की निगाहें थीं। भाजपा और उसके सहयोगी दल अपना दल और निषाद राज पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। इसके लिए हम जनता जनार्दन का हृदय से अभिनंदन और आभार प्रकट करते हैं। मैं उन कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता हूं, जिनके नेतृत्व और परिश्रम से हमें इतना बहुमत मिलता है। राज्य में चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए हैं और जनता ने भ्रामक प्रचार को दरकिनार कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम जब राज्य में कोरोना से लड़ रहे थे, तब ये लोग भाजपा और सरकार के खिलाफ साजिश रचने का काम कर रहे थे। आज भाजपा ने इन सबको एक बार फिर से सबक सिखाकर उनकी बोलती बंद करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि राज्य की आधी आबादी माताओं, बहनों और बेटियों ने जिस तरह से समर्थन दिया है, उसके चलते भाजपा राज्य में इतिहास बनाने जा रही है।

कार्टून कोना

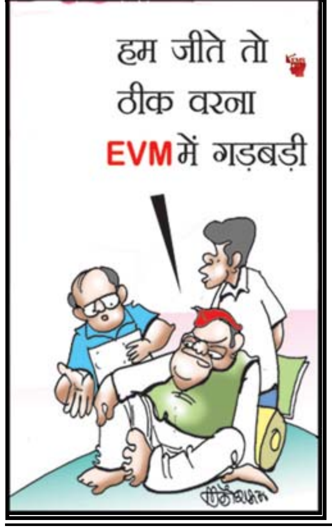

पंजाब के चुनाव नतीजे कांग्रेस के लिए 'झटका' हैं, आप को दिल्ली में उसकी सरकार के प्रदर्शन का फायदा मिला

मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि पंजाब के चुनाव नतीजे कांग्रेस के लिए 'झटका' हैं, जबकि आम आदमी पार्टी (आप) को दिल्ली में उसकी सरकार के प्रदर्शन का फायदा मिला है। पवार ने इस बात की भी पैरवी की कि विपक्षी पार्टियों को साथ लाकर बीजेपी का विकल्प देने की 'प्रक्रिया' शुरू करनी चाहिए। पंजाब में रुझानों और नतीजों में अरविंद केजरीवाल नीत 'आप' बड़ी जीत की ओर अग्रसर है, जहां वह कांग्रेस को सरकार से बेदखल करेगी।

मुंबई में पत्रकारों से बातचीत करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव से बीजेपी विरोधी दलों को मायूस नहीं होना चाहिए बल्कि उन्हें इस बात का आकलन करना चाहिए कि उनसे कमी कहां रह गई है और उसके मुताबिक सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए।

शरद पवार ने यह भी कहा कि 'कुछ लोग' ईवीएम को लेकर शिकायतें कर रहे हैं लेकिन वह यह नहीं मानते हैं कि (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर) में गैर भाजपा दलों की हार के लिए ईवीएम कारण है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, ''पंजाब वह राज्य है, जहां कांग्रेस सत्ता में है। पंजाब में बदलाव भाजपा के लिए भी अनुकूल नहीं है। नतीजों से कांग्रेस को झटका लगा है।'' एनसीपी प्रमुख ने कहा कि 'आप' के दिल्ली के शासन ने उसकी पंजाब में मदद की, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले आम लोगों ने केजरीवाल नीत पार्टी को स्वीकार किया है।

उन्होंने यह भी कहा, '' मेरे ख्याल से पंजाब के लोगों ने पिछले छह महीने में कांग्रेस के (पार्टी के) आंतरिक तौर पर लिए गए फैसलों को स्वीकार नहीं किया। वहां अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में सरकार थी। उन्हें हटा दिया गया। वहां नया नेतृत्व लाया गया। ऐसा लगता है कि लोगों को वह फैसला पसंद नहीं आया।'' अमरिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी थी और अपनी पार्टी बना ली थी।

पवार ने कहा कि पंजाब में इस तरह की धारणा थी कि अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद भाजपा के साथ संबंध बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पंजाब के लोगों ने इसे पसंद नहीं किया'', क्योंकि पंजाब का किसान कृषि कानूनों को लेकर भाजपा से पहले से ही खफा था।

उन्होंने न्यूनतम साझा कार्यक्रम के आधार पर विपक्षी दलों को साथ लाकर भाजपा का एक 'प्रभावी विकल्प' देने की प्रक्रिया शुरू करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा, '' मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह कल ही हो जाएगा। संसद का सत्र 14 मार्च से शुरू होगा। हम वहां एक महीने तक रहेंगे। हम साथ बैंठगे, चर्चा करेंगे और भविष्य की कार्रवाई पर फैसला करेंगे।'' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह हमारा फर्ज होगा कि हम साथ कदम उठाकर लोगों की लोकतंत्र को मजबूत करने में मदद करें।''

एनसीपी नेता ने कहा कि वह नहीं समझते हैं कि गैर भाजपाई दलों की हार ईवीएम की वजह से हुई है। उन्होंने कहा कि जब वे जीतते हैं तो वे ईवीएम को दोष नहीं देते हैं लेकिन जब उन्हें अनुकूल परिणाम नहीं मिलते हैं तो वे मशीनों पर संदेह उठाते हैं।

पवार ने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के लिए तारीफ की जहां भगवा दल पूर्ण बहुमत के साथ एक बार फिर सरकार बना रहा है।

वरिष्ठ नेता ने पांच राज्य के चुनावी नतीजों का असर महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा व कांग्रेस सरकार पर पड़ने की संभावना से इनकार किया। महाराष्ट्र में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर पूछे गए सवाल पर पवार ने कहा कि जेपी नड्डा नीत पार्टी को अभी ढाई साल और इंतजार करना होगा

तोप से भाजपा नेताओं को स्वाहा करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य खुद हुए स्वाहा

लखनऊ (ईएमएस)। चुनाव से ठीक पहले स्वामी प्रसाद मौर्य मायावती का साथ छोड़ बीजेपी का दामन थामा जीत मिली और कैबिनेट मंत्री बने। ठीक पांच साल बाद चुनाव से ठीक पहले उन्होंने अपना पुराना दांव आजमाकर पाला बदला और सपा की हवा मान अखिलेश के साथ हुए और बीजेपी को नेस्तोनाबूद करने की कसमें खाते दिखें। लेकिन खुद ही 26 हजार वोटों से चुनाव हार गए। जबकि बीजेपी के सुरेंद्र कुमरा कुशवाहा ने सीट पर जीत दर्ज की।

उत्तरप्रदेश के गैर यादव पिछले वर्ग के वोटरों में खासा प्रभाव रखने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य बीजेपी सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। हालांकि चुनाव की तारीखों का एलान होने के बाद वे सपा में शामिल हो गए थे। सपा में शामिल होने के बाद से ही मौर्य बीजेपी के प्रति अत्याधिक हमलावर नजर आ रहे थे। जनसभा में उन्होंने कहा था कि उत्तर प्रदेश की राजनीति स्वामी प्रसाद मौर्य के चारों तरफ घूमती है। जिन नेताओं को घमंड था कि वहां बहुत बड़े तोप हैं, उस तोप को मैं 2022 के चुनाव में ऐसा दागूंगा, ऐसा दागूंगा कि उस तोप से भारतीय जनता पार्टी के नेता ही स्वाहा हो जाएंगे।

सीट बदलना भी नहीं आया काम

स्वामी प्रसाद मौर्य की परंपरागत सीट पडरौना विधानसभा सीट रही है, मगर आरपीए सिंह की भाजपा में एंट्री ने उन्हें इस तरह परेशान किया कि उन्होंने अपनी परंपरागत सीट की कुर्बानी ही दे दी। मगर वह आखिरकार चुनाव जीत नहीं पाए। स्वामी प्रसाद मौर्य साल 2009 में आरपीएन सिंह से हार का स्वाद चख चुके थे इसलिए उनके बीजेपी में शामिल होते ही उन्होंने फाजिलनदर की ओर रूख किया।

5 राज्यों में चुनाव परिणाम कांग्रेस की आशाओं के विपरीत : सुरजेवाला

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा के नतीजे आ रहे हैं। इन नतीजों से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। यूपी में जहां कांग्रेस पहले से भी खराब प्रदर्शन करती दिख रही है। वहीं पंजाब में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल होना पड़ा है। मणिपुर और गोवा में वह दूसरे नंबर की पार्टी बनकर रह गई है जबकि उत्तराखंड में उम्मीद के अनुरूप नतीजे कांग्रेस के लिए नहीं आए। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि 5 राज्यों में चुनाव परिणाम कांग्रेस की आशाओं के विपरीत रहें। हमें उत्तराखंड, गोवा और पंजाब में बेहतर परिणामों की उम्मीद थीं लेकिन, हम स्वीकार करते हैं कि हम लोगों का आशीर्वाद पाने में असफल रहें। पंजाब के लिए हम आप और भगवंत मान को बधाई देते हैं।

सुरजेवाला ने कहा कि यूपी में हम कांग्रेस को पुनर्जीवित करने में सफल रहें लेकिन, हम उस जनमत को सीटों में नहीं बदल सके। हम उत्तराखंड और गोवा में बेहतर चुनाव लड़े लेकिन, जनता का मन नहीं जीत सके और विजय के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए। उन्होंने कहा कि हमारे लिए सीख है, कि हमें धरातल पर और मेहनत करने की ज़रुरत है। हम हार के कारणों पर आत्ममंथन करने वाले हैं। बहुत जल्द कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाकर इन सभी हार के कारणों और पांचों राज्यों के चुनाव पर एक व्यापक अंतरमंथन कांग्रेस कार्यसमिती करेगी।

पीएम मोदी बोले- 2022 के चुनाव परिणाम ने तय कर दिए 2024 के नतीजे, यह परिवारवादी राजनीति के अंत का संकेत

नई दिल्ली। यूं तो पांच राज्यों के चुनाव को पहले से ही अगले आम चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था, गुरुवार को नतीजों के एलान के बाद खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार राज्यों और खासकर उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश को 2024 से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि इसने लोकसभा चुनाव के नतीजे तय कर दिए हैं। भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने चुनाव नतीजों को परिवारवाद की राजनीति के सूर्यास्त का आगाज बताया और पार्टी की जीत का श्रेय खासकर महिलाओं और युवाओं को दिया। वहीं कोविड महामारी और फिर यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों के संकट के दौरान भी संकीर्ण राजनीति के लिए विपक्षी नेताओं व दलों को आड़े हाथों लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ राजनीतिक पंडितों ने 2019 में भाजपा की लोकसभा में जीत को कम आंकने के लिए इसका श्रेय 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मिली भारी जीत को दे दिया था। उन्होंने कहा कि अब जबकि 2022 में फिर से उत्तर प्रदेश में भाजपा की वापसी हो रही है, वे 2024 के लोकसभा चुनाव की जीत तय कहने की हिम्मत जुटा पाएंगे। चुनावी हार-जीत को जातीय समीकरण से देखने के लिए राजनीतिक विशेषज्ञों को आड़े हाथों लेते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने 2014, 2017, 2019 और 2022 में लगातार जातिवाद के ऊपर विकासवाद को तरजीह है। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि वह किसी परिवार के खिलाफ नहीं हैं लेकिन इसके लोकतंत्र के खिलाफ होने की वजह से चिंतित जरूर हैं। उन्होंने कहा, 'एक दिन ऐसा आएगा जब देश के नागरिक परिवारवादी राजनीति का सूर्यास्त करके रहेंगे।'

प्रधानमंत्री ने भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय पूरी तरह से महिलाओं और युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि जहां-जहां महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुषों की तुलना में ज्यादा रहा है, वहां-वहां भाजपा को प्रचंड जीत मिली है। उन्होंने महिलाओं को भाजपा की जीत का सारथी बताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड, गोवा, उत्तर प्रदेश और मणिपुर की चुनौतियां और विकास के रास्ते भले ही अलग-अलग हों, लेकिन वहां की जनता ने इसके लिए एकजुट होकर भाजपा पर भरोसा जताया है। उन्होंने चारों राज्यों में भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को विपक्ष की नकारात्मक राजनीतिक से भी सतर्क किया। उन्होंने बताया कि किस तरह देश दो साल से कोविड संकट से जूझ रहा है और अब यूक्रेन संकट ने चुनौतियों को और भी बढ़ा दिया है। जहां सरकार लगातार इन वैश्विक चुनौतियों से निपटने की कोशिश कर रही है, वहीं विपक्ष इसमें मदद करने के बजाय झूठ फैलाकर लोगों को बरगलाने की कोशिश में जुटा है।

इस क्रम में पीएम मोदी ने भारत में बनी कोविड वैक्सीन पर विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाए जाने के साथ-साथ यूक्रेन में फंसे छात्रों व उसके परिवार वालों के बीच दशहत फैलाने की कोशिशों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि जहां पूरा देश एकजुट होकर यूक्रेन से भारतीयों को निकालने की कोशिश कर रहा था, वहीं विपक्षी दलों ने इसमें भी प्रदेशवाद को शामिल कर दिया। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे नेताओं के पक्ष में हो रही राजनीतिक गोलबंदी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट नेताओं को बचाने के लिए ये लोग निष्पक्ष जांच करने वाली एजेंसियों को ही कठघरे में खड़ा कर दवाब बनाने की कोशिश कर रहे हैं और उनके ईको सिस्टम इसे हवा दे रहे हैं। यहां तक कि इन्हें न्यायपालिका पर भी भरोसा नहीं है। भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए उसे जाति और धर्म से भी जोड़ने से गुरेज नहीं करते। ऐसे लोगों की रणनीति उजागर करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले ये भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जांच नहीं होने देते और जांच शुरू हो भी जाए तो इसे करने वाली एजेंसी पर ही दवाब बनाकर उसे प्रभावित करने में लग जाते हैं। उन्होंने सभी जातियों और संप्रदायों से ऐसे लोगों से दूर रहने का आह्वान किया।

युद्धग्रस्त यूक्रेन के सूमी शहर में फंसे 600 भारतीय छात्र पोलैंड पहुंचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूसी हमले से बेजार यूक्रेन के उत्तरपूर्वी सूमी शहर से निकाले गए 600 भारतीय छात्रों का आखिरी बड़ा समूह पोलैंड पहुंच गया है। छात्र ल्वीव से पोलैंड के लिए एक विशेष ट्रेन में सवार हुए। उनके बृहस्पतिवार को भारत के लिए उड़ानों में सवार होने की संभावना है। छात्र एक विशेष ट्रेन से पोल्तावा से पश्चिमी यूक्रेन में ल्वीव पहुंचे थे। मेडिकल की 25 वर्षीय छात्रा जिस्ना जिजी ने कहा, ''हम पोलैंड पहुंच गए हैं, यहां से हमारे भारत के लिए उड़ान भरने की संभावना है।'' यूक्रेन में परिवहन के विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल कर सैकड़ों मील की दूर तय करके छात्रों को युद्धग्रस्त यूरोपीय देश से निकाला जा रहा है।

भारत सरकार यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए 'ऑपरेशन गंगा' अभियान चला रही है। सूमी में यह अभियान मंगलवार सुबह शुरू हुआ जब 600 भारतीयों के आखिरी बड़े समूह को शहर से निकाला गया। एक छात्र संयोजक अनशाद अली ने बताया कि 'इंटरनेशल कमिटी ऑफ रेड क्रॉस' की मदद से भारतीय नागरिकों को 13 बसों के काफिले में सूमी से ले जाया गया। उन्हें सूमी से निकालने का यह दूसरा प्रयास था। पिछले महीने यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से सूमी में भारी गोलाबारी हो रही है।

क्या होगा कांग्रेस का: पांचों राज्यों में पार्टी की शर्मनाक हार पर बोले थरूर, सांगठनिक नेतृत्व में सुधार जरूरी

नई दिल्ली। पंजाब में भी हार का सामना करने के बाद अब राजस्थान और छत्तीसगढ़ दो ऐसे राज्य बचे हैं जहां कांग्रेस की सरकार है। आज सामने आए पांच राज्यों के चुनाव परिणामों ने कांग्रेस नेताओं की चिंता बढ़ा दी है।

देश के राजनीतिक नक्शे से पहले ही विलुप्तप्राय हो चुकी कांग्रेस पार्टी को पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भी हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब उन चंद राज्यों में से एक था जहां कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन आज आए परिणामों ने यहां भी उसका खाता बंद कर दिया। वहीं, ऐसी स्थिति बनने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को पार्टी के सांगठनिक नेतृत्व में सुधार करने की मांग उठाई है।

थरूर ने सिलसिलेवार ट्वीट्स में कहा कि हाल में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम उन सभी कांग्रेस नेताओं के लिए दुखद हैं को इंडियन नेशनल कांग्रेस में भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, 'यह भारत के उस विचार की फिर से पुष्टि करने का समय है कि कांग्रेस देश के प्रति अपने सकारात्मक एजेंडा के लिए खड़ी रही है। यह हमारे सांगठनिक नेतृत्व में ऐसे सुधार करने का समय है कि इस तरह के विचारों को एक बार फिर प्रज्जवलित किया जा सके।'

शशि थरूर ने आगे कहा कि एक बात स्पष्ट है कि अगर हम सफल होना चाहते हैं तो हमें परिवर्तन को स्वीकार करना होगा। इसी बीच कांग्रेस के 23 नेताओं (जी-23) ने अगले 48 घंटों में एक बैठक आयोजित करने का फैसला लिया है। थरूर भी इस समूह में शामिल हैं। समाचार एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार कांग्रेस के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर कहा कि हम अपनी पार्टी के इन परिणामों से आहत हैं।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सभी में हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी (आप) के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। उधर, कांग्रेस पार्टी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा है कि इन चुनाव परिणामों की समीक्षा और आगे की रणनीति पर विचार करने के लिए पार्टी ने कांग्रेस कार्य समिति की एक बैठक जल्द ही आयोजित करने का फैसला किया है।

मायावती ने किया भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त !

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। यूं तो भाजपा की जीत के कई कारण गिनाये जा रहे हैं जिनमें मुफ्त राशन और सख्त प्रशासन प्रमुख है। लेकिन चुनाव से पहले और चुनावों के दौरान जिस तरह का माहौल समाजवादी पार्टी का बना था वह ईवीएम खुलने पर नहीं दिखा। हालांकि समाजवादी पार्टी ने अपनी सीटों में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी की लेकिन सत्ता उनसे दूर ही रही। लेकिन भाजपा की जीत में एक तथ्य सबसे महत्वपूर्ण है और वह है बहुजन समाज पार्टी। बसपा का भाजपा को अघोषित साथ मिला। जिसके कारण भाजपा की बल्ले-बल्ले हुई और सपा के हाथ से सत्ता फिसल गयी।

दरअसल बसपा ने उप्र विधानसभा की 122 सीटों पर ऐसे उम्मीदवार खड़े किए, जो सपा के उम्मीदवार की ही जाति के थे। इनमें 91 मुस्लिम बहुल, 15 यादव बहुल्य सीटें थीं। सपा के रणनीतिकार इन सीटों को अपनी झोली में आता साफ देख रहे थे। लेकिन इनमें अधिकांश पर भाजपा ने बाजी मार ली। बसपा का हिन्दू दलित वोट बैंक भी बिना आवाज किए भाजपा के पाले में जा खड़ा हुआ। तभी तो इस चुनाव में भाजपा को करीब 42 फीसदी के आसपास वोट मिले हैं। जबकि उसे पिछली बार 39 फीसदी वोट मिले थे। यानि इस बार तीन फीसदी का इजाफा भाजपा के मत प्रतिशत में हुआ है। वहीं बसपा को करीब 12.7 फिसदी वोट मिलता दिख रहा है। जो कि पिछली बार से दस फीसदी कम है। साफ है कि बसपा का कोर वोट बैंक भाजपा की ओर मुड़ गया। उधर समाजवादी पार्टी अपनी मुस्लिम परस्त छवि को तोड़ नहीं पायी। साथ ही वह सोशल इंजीनियरिंग में भी फेल हुई।

जन हितैषी

तेल पर बैन

यूक्रेन-रूस युद्ध के 13 दिन बीत चुके हैं। इस युद्ध का असर अब पूरी दुनिया पर होने लगा है। तमाम देशों के लगाए ढेरों प्रतिबंध झेलने के बाद भी रूस यूक्रेन पर अपनी कार्रवाई को रोकने का नाम नहीं ले रहा है। जिसके चलते इंटरनेशनल लेवल पर अब नए समीकरण बनने लगे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंगलवार को बाइडेन ने इसका ऐलान किया। विशेषज्ञ इस कदम को बहुत बड़ी कार्रवाई मानते हुए कह रहे हैं कि यही एक ऐसा कदम है जो रूस को कदम पीछे हटाने पर मजबूर कर सकता है। हालांकि माना जा रहा है कि इस कार्रवाई का असली असर तभी होगा जबकि यूरोपीय देश भी इसे लागू करें, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कितने यूरोपीय देश यह कदम उठा पाएंगे। हालांकि ब्रिटेन ने कहा है कि वह साल के आखिर तक रूस से तेल का आयात चरणबद्ध तरीके से बंद कर देगा। अमेरिका के मुकाबले रूस पर यूरोप की ऊर्जा निर्भरता कहीं ज्यादा है। सऊदी अरब के बाद रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक है, लेकिन अमेरिका उससे थोड़ी मात्रा में ही तेल आयात करता है जिसका विकल्प खोजना आसान है लेकिन यूरोप के लिए निकट भविष्य में तो ऐसा करना आसान नहीं दिखता। युद्ध में भी यूक्रेन के रास्ते बड़े स्तर पर हो रही है रूसी गैस आपूर्ति एक और खतरा तेल कीमतों में बेतहाशा वृद्धि भी है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही दुनियाभर में तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। अगर रूस से आयात बंद कर दिया जाता है तो उपभोक्ताओं, उद्योगों और वित्तीय बाजारों के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अमेरिकी प्रतिबंध का असर अमेरिका में गैसोलिन के दाम ऐतिहासिक ऊंचाई पर हैं। बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन की मांग मानते हुए रूस से तेल आयात पर प्रतिबंध का ऐलान कर दिया है। हालांकि रूस पर इसका बहुत ज्यादा असर होने की संभावना नहीं है क्योंकि अमेरिका बहुत कम तेल रूस से खरीदता है और प्राकृतिक गैस तो बिल्कुल नहीं लेता है। पिछले साल अमेरिका के कुल पेट्रोलियम आयात का सिर्फ 8 प्रतिशत रूस से आया था। 2021 में इसकी मात्रा 24.50 करोड़ बैरल थी, यानी लगभग 6,72,000 बैरल प्रतिदिन, लेकिन रूस से आयात रोजाना घट रहा है क्योंकि खरीदार भी रूसी तेल को ना कह रहे हैं लेकिन रूस पर फिलहाल इसका ज्यादा असर नहीं होगा क्योंकि इतनी ही मात्रा में वह अपना तेल कहीं और बेच सकता है। चीन और भारत उसके संभावित ग्राहक हैं। पर उसे यह तेल कम कीमत पर बेचना होगा क्योंकि उसके तेल के ग्राहक लगातार घट रहे हैं। इससे वेनेजुएला, ईरान को फायदा होगा। आने वाले समय में अगर रूस को बिल्कुल अलग-थलग कर दिया जाता है तो ईरान और वेनेजुएला जैसे तेल विक्रेता देशों की वापसी अंतरराष्ट्रीय बाजार में हो सकती है, जिनकी अपनी छवि अच्छी नहीं है। इनकी वापसी से तेल की कीमतों को दोबारा स्थिर किया जा सकता है। पिछले हफ्ते ही अमेरिका का एक दल वेनेजुएला में था और प्रतिबंध हटाने पर बातचीत हुई है। पिछले महीने तेल 90 डॉलर प्रति बैरल था जो अब 130 डॉलर तक जा पहुंचा है। आशंका है कि यह 200 डॉलर प्रति बैरल तक भी जा सकता है। रूस पर वैश्विक प्रतिबंधों के चलते महंगे क्रूड की धार में फंसे भारत-अमेरिका सहित कई देशों के सामने बिगड़ती अर्थव्यवस्था को संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। हालांकि रूसी कंपनियों ने भारत सहित कई देशों को डिस्काउंट पर क्रूड ऑयल देने की पेशकश की है। 24 फरवरी को जब युद्ध शुरू हुआ था तक कच्चा तेल 100 डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जो अब 140 तक पहुंच चुका है। यानी 13 दिनों में ही कच्चा तेल 40 फीसदी महंगा हो गया है। कच्चे तेल के इंटरनेशनल मार्केट में 1 डॉलर प्रति बैरल महंगा होने पर पेट्रोल-डीजल की कीमत में प्रति लीटर 50-60 पैसे तक का इजाफा होता है। अनुमान है कि पेट्रोल-डीजल के दामों में 25 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं सरकारी तेल कंपनियां जल्द ही इनकी कीमत में 6 रुपए तक की बढ़ोतरी कर सकती हैं। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपया सबसे कमजोर हालत में पहुंच गया है। अभी 1 डॉलर की कीमत 77 रुपए के पार निकल गई है। ऐसे में इससे भी महंगाई बढने लगी है।

विधायकों की सुविधावृद्धि का औचित्यल ?

.....मैंने जिनको बचाया, तुमने उनको......''नोक झोंक'' के इस व्यं ग्यएचित्र में कोविडरोधी अंतःक्षेपी(इंजेक्शवन) तथा रूस-यूक्रेन प्रक्षेपित अस्त्रय के परस्पतर संवाद को दर्शाया गया है। इस परिप्रेक्ष्यो में यह पुष्टि कर पाना शायद संभव न हो कि टीकाकरण से कितने लोगों को बचाया जा सका किन्तुध इस युद्ध में द्रुतगति से आपूर्ति किये जा रहे अस्त्रों से बदलती अर्थ-नीति में ''अच्छेक दिन'' की अनुभूति कर रहे लोगों को सहज ही देखा जा सकता है।

देश में समान चुनाव प्रक्रिया से विधायक बने राज्यु के माननीयों का वेतन-भत्तो मेघालय के विधायकों से पांच गुना अधिक पाया गया है। हाल ही में राज्यक विधानसभा अध्ययक्ष ने घोषणा की है कि पूर्व विधायक पूर्ण सत्कानर सुविधा के साथ सरकारी खर्चे पर लगभग सप्ता.ह भर राजधानी में रुक सकेंगे। गौरतलब है कि इस सुविधा मात्र से असंतुष्ट माननीयों ने पेंशनवृद्धि, फर्स्टर एसी रेल आरक्षण सहित विधायक का स्टे ट्स मेंटेन करने के लिए केबिनेट और राज्या मंत्री की तरह नहीं तो कम-से-कम संसदीय सचिव जैसी सुविधाओं की प्रबल इच्छात व्यक्तय की।

उधर अपने कार्यकाल में अपरिमित संपत्ति हड़पने के बावजूद डेढ़ लाख रुपये वेतन-भत्तात पाने वाले मौजूदा माननीय समस्ती सुविधाओं के साथ अधिवासित निवास के लिए निर्धारित तीन रुपये प्रतिदिन भुगतान करने में असमर्थ हैं।

वर्ष 1963 के पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र के कार्यकाल में जब विधायकों का वेतन बढ़कर 500 रुपये हुआ तो जनसेवा का हवाला देते हुए कई सदस्योंत ने इसे खारिज कर दिया। लेकिन अरबों के कर्ज में डूबे राज्यु को उबारने के बजाय इस महामारी से बदहवास हुए लोगों की लाशो पर आज अप्रत्याशित लाभ का व्यजवसाय बन चुकी राजनीति के चौकीदार अपनी सुविधायें बढ़ाने को आतुर हैं।

जिस देश में कागजों पर ही किसान ऋण हितग्राही दर्ज हों, भ्रष्टाकचार व बेरोजगारी सहित सत्तु के दागी माननीयों पर बोलना बेमानी हो, बच्चोंस के भविष्ये, महगाई व जनहित के मुद्दे पर जिस देश का तंत्र आँख खोलकर निद्रा के अभिनय में मगन हो, जिस देश की लोकतांत्रिक व्यिवस्थाध में आधिकारिक सवाल पूछे जाने की प्रथा समाप्तख कर दी गई हो ऐसे लोकतांत्रिक देश का विश्वैगुरु बनने की कल्पथना की जा सकती है?

दुर्भाग्यै है कि इन्हींस की सुविधा के अनुकूल तंत्र का विकास किया जाता है। जब मोबाइल कंपनियां अनलिमिटेड डाटा के साथ महज रु.2399 ही चार्ज करती हैं तो इन विधायकों को दिये जा रहे दस हजार रुपये के दूरभाष भत्तें बंद होने चाहिये। लेपटाप के लिए प्रति कार्यकाल 50 हजार रुपये व स्टे शनरी एलाउंस दस हजार रुपये, राज्यं के बाहर प्रवास के लिए 15/- रुपये प्रतिकिलोमीटर दिया जाने वाला भत्ताा के साथ ही अन्य सब्सिडी बंद होना चाहिये। (लेखक- राकेश कुमार वर्मा / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

11 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2022 वर्ष का 70 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी अहोरात्र।
नक्षत्र मृगशीर्ष 14.35 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 03.10 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 18.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 48'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871184
जूलियन दिन 2459649.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 07

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.28 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	07.58 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.38 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.36 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	13.50 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	16.06 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.18 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.29 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	22.43 ब.से
		धनु	00.59 बजे से
		मकर	03.05 बजे से
		कुंभ	04.51 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

क्या अब और 'बेलगाम' हो जायेगी यह दुनिया?

रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर किया गया सैन्य आक्रमण न तो अचानक किया गया हमला था न ही रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अपने इस फ़ैसले में कोई बात लुका छिपा रखी थी। यूक्रेन को पिछले कई महीनों की लगातार चेतावनी के बाद पुतिन द्वारा सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया गया। उधर यूक्रेन को भी इस बात का भरोसा था कि यदि पुतिन ने यूक्रेन पर आक्रमण करने का 'दुस्साहस' किया तो यूरोपीय संघ के देश,नाटो के सदस्य देश ख़ासकर अमेरिका, यूक्रेन की मदद के लिये खुलकर सामने आयेंगे। परन्तु अमेरिका ने रूसी संपत्तियां ज़ब्त करने व कुछ नाटो देशों ने यूक्रेन को हथियार देने,आर्थिक प्रतिबंध लगाने व रूसी विमानों के लिये अपना हवाई मार्ग बंद करने जैसे फ़ैसलों के अतिरिक्त कुछ नहीं किया। निश्चित रूप से यूक्रेन को रूस से अधिक नुक़्सान उसके इसी 'भरोसे' ने पहुँचाया कि पश्चिमी देश उसकी ज़मीन पर आकर उसका युद्ध लड़ेंगे। वैसे भी वियतनाम,इराक़ और अफ़ग़ानिस्तान जैसे देशों में अमेरिका की रुस्वाई और 1971 में भारत के विरुद्ध पाकिस्तान की सहायता के लिये भेजे गये 'सातवें युद्धपोत के झांसे' बावजूद यूक्रेन राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की किस आधार पर अमेरिका व नाटो हस्तक्षेप की बाट जोह रहे थे यह भी समझ से परे है। हालांकि रूसी हमले के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शक्ति उसके अस्तित्व व अहमियत पर भी सवाल उठने लगे हैं।

दुनिया जानती है कि अमेरिका व रूस के बीच वैश्विक वर्चस्व की वह दीर्घकालिक जंग चल रही है जिसे दुनिया 'शीतयुद्ध ' के नाम से भी जानती है। दुनिया के अनेक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ रूस के यूक्रेन पर आक्रमण की आलोचना तो कर रहे हैं साथ ही यह भी याद दिला रहे हैं कि यूक्रेन की तबाही पर 'विलाप' करने वाला यही मीडिया क्या उस समय भी लोगों के जान माल के नुक़्सान का ऐसा ही कवरेज करता है जब फ़िलिस्तीन,अफ़ग़ानिस्तान,सीरिया,इराक़ व यमन जैसे देशों में विदेशी सैन्य कार्रवाइयां होती हैं अथवा विद्रोह कराये जाते हैं ? उस समय मीडिया में ख़ामोशी इसीलिये छाई होती है क्योंकि प्राय: पश्चिमी मीडिया भी अमेरिकी हितों का ध्यान रखते हुये संचालित होता है। और यदि अलजज़ीरा जैसा कोई चैनल अमेरिकी या इस्राईली बर्बरता पूर्ण कार्रवाई तथा इनसे होने वाली जान माल की क्षति का ब्यौरा प्रसारित करते है तो ऐसे चैनल्स के दफ़्तरों को बमबारी कर उड़ा दिया जाता है। जैसा कि इराक़ युद्ध के समय भी हुआ और गत वर्ष 16 मई 2021 को ग़ाज़ा में भी देखने को मिला। ग़ाज़ा में यही 'पश्चिमी हित साधक' मीडिया उस समय ख़ामोश था जब गाज़ा स्थित 12 मंज़िला मीडिया टावर को इस्राईली हवाई हमले में ध्वस्त कर दिया गया था। जिसमें 47 बच्चों सहित 174 लोगों की मौत की ख़बर आई थी। इसमें अनेक मीडिया अलजज़ीरा व ए पी सहित अनेक मीडिया मुख्यालय थे। इस इस्राइली हमले को युद्ध अपराध बताया गया था।

इसी तरह अमेरिका भी जब चाहे ईरान को 'शैतान की धुरी ' का तमग़ा दे दे। जब चाहे सामूहिक विनाश के हथियार होने का झूठा बहाना बनाकर इराक़ को तबाह बर्बाद कर दे,जब चाहे कहीं विद्रोहियों की मदद कर सत्ता के विरुद्ध बग़ावत करा दे क्या वह 'अमेरिकी हिटलरशाही' नहीं है ? क्या यह सब अमेरिका के अधिकार हैं और उसकी हर कार्रवाई विश्व शांति के लिये की जाने वाली मान्य व विधिसंवत कार्रवाई है ? परन्तु अमेरिका की रूस के निकटवर्ती सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिये यूक्रेन पर किये गये हमले के चलते पश्चिमी मीडिया ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तुलना हिटलर से करते देर नहीं लगाई। ईरान से टकराव के बहाने आज भी अमेरिकाव इस्राईल ढूंढते ही रहते हैं। इराक़ व अफ़ग़ानिस्तान को खंडहर बनाने में भी अमेरिका ने कोई कसर नहीं छोड़ी आख़िरकार उसी 'अराजक ' नेतृत्व के हाथों पुन: अफ़ग़ानिस्तान सौंप कर उसे वापस आना पड़ा।

अमेरिका व इस्राईल पर कई बार युद्ध अपराध के आरोप लग चुके हैं। परन्तु संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद लेकर तमाम अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में अमेरिकी वर्चस्व होने के कारण न अमेरिका के विरुद्ध आज तक कोई बड़ी कार्रवाई हुई न ही उसके मित्र देश इस्राईल के विरुद्ध। सही मायने में यूक्रेन पर हमले का जितना दोष पुतिन पर मढ़ा जा रहा है,अमेरिका व उसके सहयोगी पश्चिमी देश भी पुतिन से कम ज़िम्मेदार नहीं हैं। न वे अपने वैश्विक वर्चस्व का खेल खेलते हुये रूस के विरुद्ध यूक्रेन को उकसाते,न उसे संकट में हर संभव सहायता देने का 'लॉली पॉप ' देते न ही आज यूक्रेन को यह दिन देखने पड़ते। वैसे भी इराक़ व अफ़ग़ानिस्तान में अमेरिकी सैन्य अभियान का जिस तरह अमेरिकी जनता ने विरोध किया था और उन्हीं परिस्थितियों में अमेरिका को रातों रात इन देशों से अपने सैन्य साज़-ो-सामान छोड़कर भागना पड़ा उसके बाद अब भविष्य में इस बात की कम ही संभावना है कि अमेरिका किसी दूसरे देश की ज़मीन पर अपने सैनिकों को लड़ने के लिये भेजेगा। ख़ासतौर से तब तक जबतक उसके अपने हितों का सवाल न हो।

राष्ट्रपति पुतिन ने जो भी किया है उसे मानवीय दृष्टि से क़तई सही नहीं ठहराया जा सकता परन्तु जिन परिस्थितियों ने उन्हें ऐसा करने के लिये मजबूर किया उसे भी नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। हाँ रूस के यूक्रेन पर किये गये इस हमले के बाद ख़ासतौर पर यूक्रेन के अकेले पड़ जाने व दुनिया के तमाशा देखते रहने के बाद अब इस बात का संदेह और बढ़ गया है कि क्या दुनिया के शक्तिशाली देश अब इस्राईल,अमेरिका की चली आ रही मनमानी और युद्ध अपराधों के बाद अब रूस द्वारा किये गये आक्रमण से भी 'प्रेरणा ' लेकर अपने पड़ोसी कमज़ोर व छोटे देशों के विरुद्ध किसी न किसी बहाने इसी तरह की आक्रामक नीतियां अपना सकते हैं ? और यदि ऐसा हुआ तो क्या यह दुनिया भविष्य में अब और भी बेलगाम हो जायेगी ? (लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

ए लाईफ अन कॉमन दे इंडिकेवल बी एस बेदी जर्नी ऑफआन आई पी एस आफिसर' - खबरी लाल

आसमा वर्षो से वर्षो तक बढ़ता है तब खाक के फलग से कोई इंसान इस जमीन पर दुनिया ' वालो को प्रेम ,कर्तव्य,शांति भाई चारे व सोहार्द का संदेश ले कर भेजता है।डा0 बलवीर बेदी सेवा निवृत 1961 यू पी बैच के भारतीय पुलिस सेवा केडर आफिसर थें । डा0 बलवीर सिंह बेदी ईसान व इन्सानियत के जीती जागती उदाहरण थें।आप की पहचान एक भारतीय पुलिस सेवा में कर्तव्य निष्ट,अधिकारी थे ,वही अपने परिवार व समाज के लिए सच्चे व नेक इंसान थें।मैने उन्हे नजदीक से ना केवल देखा है ब्लकि कई यादगार पल भी गुजारे है।उपरोक्त उदगार आज नई दिल्ली के इतिहासिक जन्तर मन्तर मार्ग पर स्थित केरला हाउस के सभागार मे डा0 बलवीर सिंह वेदी के जीवन पर आधारित बायोग्राफी 'ए लाईफ अनकामन ' बी एस बेंदी दे इंडिकेवल जर्नी ऑफ ऑन आई पी एस आफिसर ठ डा0 प्रीति सिंह द्वारा लिखी गई पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम था

इस अवसर पर मुझे भी अपने बरिष्ट मीडिया मित्रों के साथ कुछ स्वर्णिम पल बिताने व साक्षी बन नें का सुअवसर मिला ।

पुस्तक का प्रकाशन दिशा इन्टर नेशन पब्लिर्स हाउस ' ग्रेटर नोएडा के द्वारा कुशल प्रकाशन वसंपादन किया गया है।पुस्तक की साज व सज्जा सजिल्द प्रकाशित किया गया है। पुस्तक की कीमत 390 /= है।पुस्तक ऑन लाईन एमोजन एप पर भी उपलब्ध है।

आशा है कि पुस्तक अपने पाठकों को ना केवल प्रेरणा देगी ब्लकि उनके जीवन में मार्गदर्शन के साथ पथ प्रदर्शक का कार्य करेगी"

सन1961 यु पी बैच के आई पी एस पिता के जीवन पर आधारित वायोग्राफी के रूप पुस्तक के माध्यम से प्रेरणा दायक कहानी एक पुत्री के कलम से लिपि बद्ध की गई है।

विश्व के मानस पटल पर भारत विभिन्नता में एकता व अखण्डता के लिए प्रख्यात है।यहाँ की वेष भुषा व भाषा अलग अलग ही हो लेकिन सबके दिल राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत प्रोत है।हमारी संस्कृति व सभ्यता का परचम पुरे विश्व में पहरा रहा है।इसके साथ यहाँ के बदलते मौसमअपने साथ पर्व त्योहार 'क्षेत्रीय साज व संगीत के दीवाने भारत के अलावे कई देशों मे है।इसी क्रम में आज ऋतु बसंत के खुशनुमा माहोल में राजधानी के ऐतिहासिक जनपथ मार्ग केरला हाउस में अपने कुछ वरिष्ट संपादक व मीडिया मित्रो के सानिध्य सम्मापीय में जीवन के स्वर्णिम पल बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ विगत दिनों हमें मिला '

मौका था।डाद बलबीर सिंह बेंदी आई पी एस के जीवन पर आधारित लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह का।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मंच पर विराजमान हो कर शोभा बड़ा रहे थे,केरल राज्य के महामहिम आरिफ मो खान थे,जिनसे मिलने का सौभाग्य मुझे पूर्व में कई बार हो चुका है।मै आरिफ साहब के विषय मे संक्षिप्त में इतना बताना चाहूंगा कि ये एक बे सहदय ही संजीदा व ख़ुश मियाज इंसान है। आज आप भले ही एक संवैधानिक महामहिम के पद आसीन है।इस अवसर पर केरल राज्य के महामहिम आरिफ मो0खान के कर कमलो द्वारा पुस्तक का विमोचन एक सादे समारोह नई दिल्ली स्थित केरला हाउस कै सभागार में किया है।

इस पुस्तक में डा0 बेंदी के जीवन के उत्तार चढाव के संघर्ष व अनुभवो पर आधारित है।एक भारतीय पुलिस प्रसानिक सेवा पद पर रहते है। आप ने अपने धार्मिक 'समाजिक व पारिवारिक द्वायत्वो का र्निवाह का इतना आसान नही था।फिर भी आपने अपने जीवन व सरकारी पदो के बीच में समझौता नही कर एक अनोखा सामजस्य स्थापित किया।

आप का भारत पाक के विभाजन समय अपने परिवार का पंजाब के सिन्ध प्रांत से भारत मे आगमन हुआ था , पुस्तक में विभाजन से वेदना के कारुणिक कहानी का सचित्र चित्रण किया गया है। लेखिका नें अपने पापा के सान्निध्य बताते हुए कहती है कि

जब मै तीन साल की थी ' पापा जालोन में एड्ड के पद थें।वे रात रात भर घर से बाहर रहते थे"

मेरे मन मस्तिष्क पे वह धुमिल तस्वीरें आज भी है।जब मेरे से एक पैसा गुम हो गया और मेरी मॉ मेरे पें बहुत ही गुस्सा हो गई।

इसी क्रम मे मै आप सभी को एक समक्ष एक बात का जिक्र करना चाहूंगी घर पर पहली बार महिन्द्रा कम्पनी जीप आई थी।उस समय मगरू लाल जो कि रशोईयाँ थे 'किरोसिन स्टोव पर देसी मुर्गा बनाने का आदेश दिया था - '

जम्मु - कश्मीर 1992 -1993 .

डी जे पी - पद रहे थें।

पुस्तक विमोचन समारोह मे केरला के महामहिम राज्यपाल आरिफ मो0खान साहव नें अपने उदगार व्यक्त करत हुए कहा कि बेदी जी समाज में अनुशासन प्रिय थे , मुझे प्रशन्नता हो रही है।मुझे व मेरी स्वर्गीया पत्नी केउनके काफी भी अच्छे तालुक थें।आज मुझे काफी ही प्रसन्नता हो रही है कि एक पुत्री के द्वारा अपने पिता पर बायोग्राफी लिखना इतना आसान नही होता है।डा0 बलवीर सिंह वेदी एवं एक सच्चे कर्म निष्ट अनुसासन प्रिय पुलिश अधिकारी थें।एक शिक्षक को रूप में हमारा हमेशा सम्मान करते थे!

बच्चे के प्रति उन्होने अपनी जिम्मेदारी व प्रतिबद्धता निभाये करते रहते थें।जब वे मिलते थें तो अतिथि धर्म का पालन करते उनके सम्मान व खान पीने का विशेष ध्यान रखते थें।बेंदी साहब स्वयं खानें पीने वहुत शौकीन थें।जब कोई उनसे मिलने आते है।उनके ना केवल समान करते ब्लकि एक खुशनुमा माहोल मे हर तरह के मदद करने मे पीछे नही रहते थे।एक बार कहानी है,जब मै स्वयं उनसे मिलने आए थे।आप को बताना चाहूंगा कि जब उस समय अध्यन के लिए अपने घर से दुर रहते है।हास्टल में नास्ते मे डब्ल रोटी मिलते थें।जिससे खा-खा कर मन उब जाता था।ऐसे में कभी कभी एकआई पी एस के पुलिश अधिकारी(एस एस पी)के घर पर पराठे खाने मिलते है।उनसे मिलने का बहाने मात्र रहता था।घर का खाना मुख्य मकशद होता था।ये मिसेजे बेंदी का था।कानपुर में थोडी सी मोहलत मिली थी।

मुझे गर्व है बेदी साहब की पुत्री व पुस्तक के लेखिका प्रीति से ' जिन्होनें मुझे बड़े भाई के रूप हमेशा सम्मान दिया करती है।मेरा बेदी परिवार से पारिवारिक अच्छे सम्बन्ध रहा है।पिता-पुत्री का ये अनोखा अटूट सम्बन्ध समाज एक संदेश देता है।ज्यादातर पिता अपने पुत्र का होता है।लैकिन बेंदी साहब अपने बेटी के अच्छे पिता थें।ऐसे में मुझे महशुर शायर मीर साहब की एक शेर याद आ रही है खाक फलक व इंसान के संदर्भ में सही कहा कि- ठजब आसमा में बर्षो से बर्षो तक बढता है तब खाक से फलक से खास इंसान निकल कर इस जमीं पर आता है।मानव को उसके जीवन के उद्देश्य पुरा करने का सीख देता है।डाद बलवीर सिंह बेदी जी भी ऐसे ही नेक इंसान व अच्छे पिता है!वे अभी स्वास्थ्य लाभ ले रहे है।अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक पुत्री द्वारा अपने आई पी एस पिता के जीवन पर आधारित बायोग्राफी लिख कर यह साबित कर ती है।आज की बेटी बेटे से किसी भी मयाने में पीछे नही है। अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को नमन ' वंदन व अभिनन्दन ।

अंत में अपने पाठकों से यह कहते हुए विदा लेते है कि ना ही काहूँ सें दोस्ती , ना ही काहूँ से बैर । खबरी लाल तो माँगे सबकी खैर ? (लेखक-विनोद तकियावाला / ईएमएस)

आज का इतिहास 11 मार्च

1399 तैमूर ने वापसी में दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में लूट पाट की.
1845 न्यूजीलैंड में माओरी विद्रोह भड़का.
1917 प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश फौजों ने बगदाद पर कब्जा किया.
1920 अमीर फैजल सीरिया के शासक बने.
1921 फ्रांस ने तुर्की के साथ संधि कर सिलेसिया पर अपना दावा छोड़ा.
1938 जर्मन फौजें आस्ट्रिया पहुंची.
1944 क्रिश्चियन डेमोक्रेट एडुअर्ड फ्रेई ने चिली के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला.
1948 प्रथम आधुनिक जहाज जलउषा का जलावतरण किया गया.
1963 चितरंजन रेल कारखाने से पहला इंजिन बनकर बाहर निकला.
1975 द्वितीय विश्व युद्ध में ट्यूनिसिया पर जर्मनी के जवाबी हमले को ब्रिटेन ने नाकाम कर दिया.
1975 पुर्तगाल में सैन्य शासन को पलटने की नाकाम कोशिश हुई.
1987 सूडान प्रायोजित चाड और लीबिया शांति वार्ता टूट गई.
1988 चीन ने तिब्बती विद्रोहियों को समर्पण करने की चेतावनी दी.
1997 बासिक मफिनो अल्बानिया के प्रधानमंत्री बने.
2000 बिहार में राजद की नेता राबड़ी देवी ने 36 वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली.
2001भारत के पुलेला गोपीचंद ने आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप जीतनेवाले दूसरे खिलाड़ी बनें.
2001 क्रिकेटर हरभजन ने कोलकता में हुए टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ हैट्रिक बनाई.
2005 लक्ष्मी मित्तल विश्व के तीसरे सबसे बड़े अमीर व्यक्ति बने.

हॉकी इंडिया ने जर्मनी के खिलाफ मुकाबले के लिए महिला टीम घोषित की

नई दिल्ली (ईएमएस)। सविता पुनिया की कप्तानी में भारतीय महिला हॉकी टीम जर्मनी के खिलाफ 12 और 13 मार्च को भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग के दो घरेलू मैचों में उतरेगी। इन मैचों के लिए हॉकी इंडिया ने 22 सदस्यीय भारतीय महिला टीम घोषित कर दी है। इस मैचों में दिप ग्रेस एक्का को उप कप्तान बनाया गया है। युवा डिफेंडर अक्षता अबसो ढेकाले और स्ट्राइकर दीपिका जूनियर टीम में नई खिलाड़ी होंगी। भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच जननेके शोपमैन ने टीम चयन के बारे में कहा कि एक मजबूत विरोधी के खिलाफ अपनी घरेलू धरती पर खेलने से टीम का प्रदर्शन निखरेगा। उन्होंने कहा कि चयनित टीम के पास अच्छा कौशल है। उसके खिलाड़ी बहुत अच्छी तरह से बचाव करते हैं और आक्रमण करने में भी तेज हैं। हमने युवा प्रतिभाओं के साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हम स्पेन के खिलाफ मुकाबलों में बनी लय आगे भी बनाये रखेंगे। भारतीय टीम इस प्रकार है :

गोलकीपर्स : सविता पुनिया, बिचु देवी खरीबम। डिफेंडर्स : दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, अक्षता अबसो ढेकाले।

मिडफील्डर्स : निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, ज्योति, मोनिका, नेहा, नवजोत कौर, सोनिका।

फॉरवर्ड्स : राजविंदर कौर, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, मारियाना कुजूर और दीपिका जूनियर।

स्टैंड बॉय खिलाड़ी : रजनी एतिमारपू, इशिका चौधरी, नमिता टोप्पो।

शब्द पहेली - 7222

बाएँ से दाएँ
1.ध्वज,पताका-2
4.वहम,संदेह-2
6.दलहन-2
7.खाली,रिक्त-2
9.रसूल,अल्लाह-3
12.अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14.सिवाय,बगैर-3
16.इराक की राजधानी-4
17.समधी की पत्नी-4
18.पीसना,महीन करना-3
20.उष्ण,गर्म-3
22.उत्तम,विष्णु अवतार-3
24.परत,तह-2
26.खेती-2
27.अधर,होठ-2
28.ताऊ की पत्नी,बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे
1.जल प्रपात-3
2.आईल-2
3.हूर,अप्सरा-2
5.सूक्ति,वाणी,शबद-3
6.पिता के पिता-2
8.स्टार,सितारा-2
10.रोचक,सुंदर,मनोहारी-5
11.शीतलता,मुठभेड़-2
13.सतरंगा,शंकर धनुष-5
14.सिर्फ एक,एकमात्र-3
15.हवस,कामेच्छा-3
19.लाख-2
20.जहर,विष-3
21.आनंदित,मनमौजी-2
22.मुनि,साधू-2
23.अच्छाई,सदशयता-3
25.सुरक्षा-2
26.कीड़ा,कीट-2

शब्द पहेली -7221 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

जर्मन ओपन : चीन की झांग से हारी सिंधु

मुएलहेम एन डेर रुहर (ईएमएस)। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। सिंधु को चीन की कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी झांग यी मैन ने हराया। सिंधु को तकरीबन एक घंटे तक चले इस मैच में झांग ने 14-21, 21-15, 14-21 से हराया। इस प्रकार सिंधु के लिये यूरोपीय चरण की शुरुआत अच्छी नहीं रही है।

वह इस मैच में शुरूआत से ही पिछड़ गयीं। चीनी खिलाड़ी ने पहले 5-5 से बराबरी की और फिर लगातार छह अंक बनाकर 11-5 से बढ़त हासिल की। उन्होंने इसके बाद अच्छा खेल जारी रखा और पहला गेम आसानी से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में अच्छी वापसी की। वह ब्रेक के समय तक 11-10 से आगे थी पर इसके बाद उन्होंने यह गेम जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया पर चीनी खिलाड़ी ने निर्णायक गेम में फिर से लय हासिल की और ब्रेक तक 11-8 से बढ़त बनाने के बाद मैच अपने नाम कर लिया।

टोमजानोविच बीएनपी परीबस ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

इंडियन वेल्स (ईएमएस)। क्रोएशियाई महिला टेनिस खिलाड़ी एला टोमजानोविच बीएनपी परीबस ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। टोमजानोविच ने पहले दौर में अमरीका की हेली बापटिस्टे को 6-2, 2-6, 6-2 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने अमरीका की एलविना कालियेरा को 4-6, 6-2, 7-6 से पराजित किया।

वहीं एक अन्य मैच में अमरीका की ही एलिसन रिस्के ने कैटी मैकनाली को 6-0, 6-3 से हराया।

केइया कानेपी ने अमरीका की 17 साल की रॉबिन मोंटगोमेरी को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। इस बार विश्व की शीर्ष दो खिलाड़ी ऐश बार्टी और बारबोरा क्रेसीकोवा टूर्नामेंट में नहीं खेल रही हैं। दूसरी ओर कोरोना टीकाकारण नहीं होने के कारण पुरूष वर्ग से सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने भी इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था।

इंडियन वेल्स और मियामी ओपन से बाहर रहेंगे जोकोविच

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच इंडियन वेल्स और मियामी ओपन हार्ड कोर्ट टेनिस टूर्नामेंट नहीं खेल खेलेंगे। जोकोविच के अनुसार उन्होंने कोविड-1 टीके नहीं लगाये हैं , इसलिए वह इन दोनो ही टूर्नामेंटों से बाहर रहेंगे। कोविड-19 टीका करण के बिना कोई भी अमेरिका की यात्रा नहीं कर सकता है। जोकोविच ने ट्वीट किया कि 'सेंटर्स फोर डिसीज कंट्रोल' ने कहा है कि कोविड नियमों में बदलाव नहीं होगा , इसलिए वह अब अमरीका में नहीं खेल पायेंगे। इंडियन वेल्स में बीएनपी परीबस ओपन के ड्रॉ में उनका नाम था पर टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा है कि इसमें शामिल होने वाले खिलाड़ियों के लिए कोविड टीकाकरण जरुरी है। जोकोविच ने इस साल केवल एक टूर्नामेंट दुबई में खेला है और इसी कारण वह विश्व रैंकिंग में भी खिसककर दूसरे नंबर पर आ गये हैं। इससे पहले कोविड-19 टीकाकरण नहीं होने के कारण ही जोकोविच को इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन से भी बाहर कर दिया गया था। जोकोविच ऑस्ट्रलियाई ओपन के लिए गये थे पर सरकार ने उन्हे निर्वासित कर दिया था। इस दौरान इस शीर्ष खिलाड़ी ने अदालत का भी रुख किया पर वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली।

महिला विश्वकप : न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को 62 रनों से हराया

हैम्लिटन (ईएमएस)। आईसीसी विश्व कप क्रिकेट के अपनी दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम को मेजबान न्यूजीलैंड के हाथों 62 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज ने टॉस जीतकर मेजबान न्यूजीलैंड टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेजबान कीवी टीम ने एमी सैदरवेट 75 और अमेलिया केर 50 के शानदार अर्धशतकों की सहायता से 50 ओवरों में नौ विकेट पर 260 रन बनाए। इसके बाद 261 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 198 रनों पर ही सिमट गयी। भारत की ओर से अनुभवी खिलाड़ी हरमनप्रीत कौर ने सबसे ज्यादा 71 रन बनाये पर किसी ओर बल्लेबाज का साथ न मिलने के कारण वह टीम को जीत नहीं दिला पायीं।

बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरूआत ठीक नहीं रही। अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना 6 और दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद यस्तिका भाटिया ने 28 जबकि कप्तान मिताली राज ने 56 गेंदों में एक 31 रन बनाए। इसके बाद हरमनप्रीत ने तेजी से रन बनाये। हरमनप्रीत ने 63 गेंदों में 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 71 रन बनाए। हरमनप्रीत के अलावा स्नेह राणा ने 18, झूलन गोस्वामी ने 15 जबकि मेघना सिंह ने 12 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही थी। सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स केवल 5 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद कप्तान सोफिया डिवइन ने 35 रन बनाकर टीम को संभाला। अमेलिया केर ने 50 जबकि सैदरवैट ने 75 रन बनाए। मैडी ग्रीन 27 और कैटी मार्टिन ने 41 रन बनाकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया।

होल्डर और बोनेर की साझेदारी से वेस्टइंडीज ने बनाये 202/4

सेंट जोंस (ईएमएस)। वेस्टइंडीज ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड के पहली पारी में बनाये 311 रनों के जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 202 रन बना लिए थे। बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल तय समय से पहले ही समाप्त हो गया। उस समय जैसन होल्डर 43 और एनक्रूमा बोनेर 34 रनों पर खेल रहे थे। इन दोनो के बीच पांचवें विकेट के लिए 75 रनों की साझेदारी हुई है। वहीं इस मैच में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने चार विकेट 127 रनों पर ही खो दिये थे। इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड टीम ने पहले दिन के छह विकेट पर 268 रन से आगे खेलते हुए 311 रन बनाए। जॉनी बेयरस्टॉ 140 रन बनाकर आउट हुए ओर इंग्लैंड की पारी समाप्त हो गयी। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से तेज गेंदबाज जेडेन सील्स ने 79 रन देकर चार विकेट लिए।

इसके बाद बल्लेबाजी करते हए वेस्टइंडीज के क्रेग ब्रेथवेट और जॉन कैंपबेल ने 83 रन की साझेदारी बनायी। कैंपबेल 35 रन बनाकर आउट हुए जबकि वहीं ब्रेथवेट ने 62 गेंद में ही अर्धशतक लगा दिया पर वह 55 के स्कोर पर मार्क वुड की गेंद पर आउट हुए।

शामार ब्रूक्स को 18 के स्कोर पर बेन स्टोक्स ने अपना शिकार बनाया जबकि जर्मेन ब्लैकवुड को 11 रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट हुए। वेस्टइंडीज ने बिना विकेट खोये 83 रन बना लिए थे पर इसके बाद उसने अपने चार विकेट 44 रनों के भीतर ही गंवा दिए। इसके बाद होल्डर और बोनेर ने पारी को संभाला। इससे पहले इंग्लैंड ने रात के स्कोर में 43 रन ही जोड़े।

झूलन सर्वाधिक विकेटों के मामले में फुलस्टन की बराबरी पर आयीं

हैमिल्टन (ईएमएस)। भारतीय टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में एक विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। झूलन अब सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में संयुक्त रुप से ऑस्ट्रेलिया की लिन फुलस्टन की बराबरी पर आ गयी हैं। गौरतलब है कि फुलस्टन ने साल 1982 से 1988 के बीच 39 विकेट लिए थे। वहीं झूलन के भी अब 39 विकेट हो गये हैं।

झूलन ने पारी के अंतिम ओवर में केटी मार्टिन को आउट कर फुलस्टन की बराबरी की। झूलन अब महिला विश्व कप इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं हैं। झूलन ने शुरुआती मैच में भी पाकिस्तान के खिलाफ दो विकेट लिए थे। साल 2005 से दो दशकों के अपने करियर में झूलन ने पांच महिला विश्व कप मुकाबले खेले हैं जिसमें उसने 39 विकेट लिए हैं। इस मैच में पूजा वस्त्राकर ने चार जबकि राजेश्वरी गायकवाड़ ने दो विकेट लेकर मेजबान कीवी टीम को 9 विकेट पर 260 रनों पर ही रोक दिया। इस मैच में पूजा के पास हैट्रिक का अवसर था पर वह बना नहीं पायीं। मेजबान टीम की ओर से एमी सैटरथवेट और अमेलिया केर ने 75 और 50 रन बनाये।

अय्यर, मिताली और दीप्ति आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी क दौड़ में शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को पुरुष जबकि महिला वर्ग से कप्तान मिताली राज और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को फरवरी माह में किये अच्छे प्रदर्शन के लिये आईसीसी 'महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। इसके अलावा पुरूष वर्ग से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बल्लेबाज वृत्य अरविंद और नेपाल के दीपेंद्र सिंह एरी भी पुस्कार की दौड़ में शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग से न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर एमेलिया केर, मिताली और दीप्ति के नाम भी इसमें शामिल है। अय्यर ने फरवरी में भारत की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में 80 रन बनाये और आखिरी टी20 में 16 गेंद में 25 रन बनाए। अय्यर श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला में तीसरे नंबर पर उतरे ओर उन्होंने तीनों मैचों में अर्धशतक लगाये। इस प्रकार उन्होंने 174 .35 की स्ट्राइक रेट से 204 रन बनाये। उन्हें इसके लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला। वहीं मिताली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन अर्धशतक समेत 232 रन बनाए। अंतिम एकदिवसीय में वह 54 रन बनाकर नाबाद रही। हरफनमौला दीप्ति ने एकदिवसीय सीरीज सबसे ज्यादा दस विकेट लेने के साथ ही 116 रन भी बनाए।

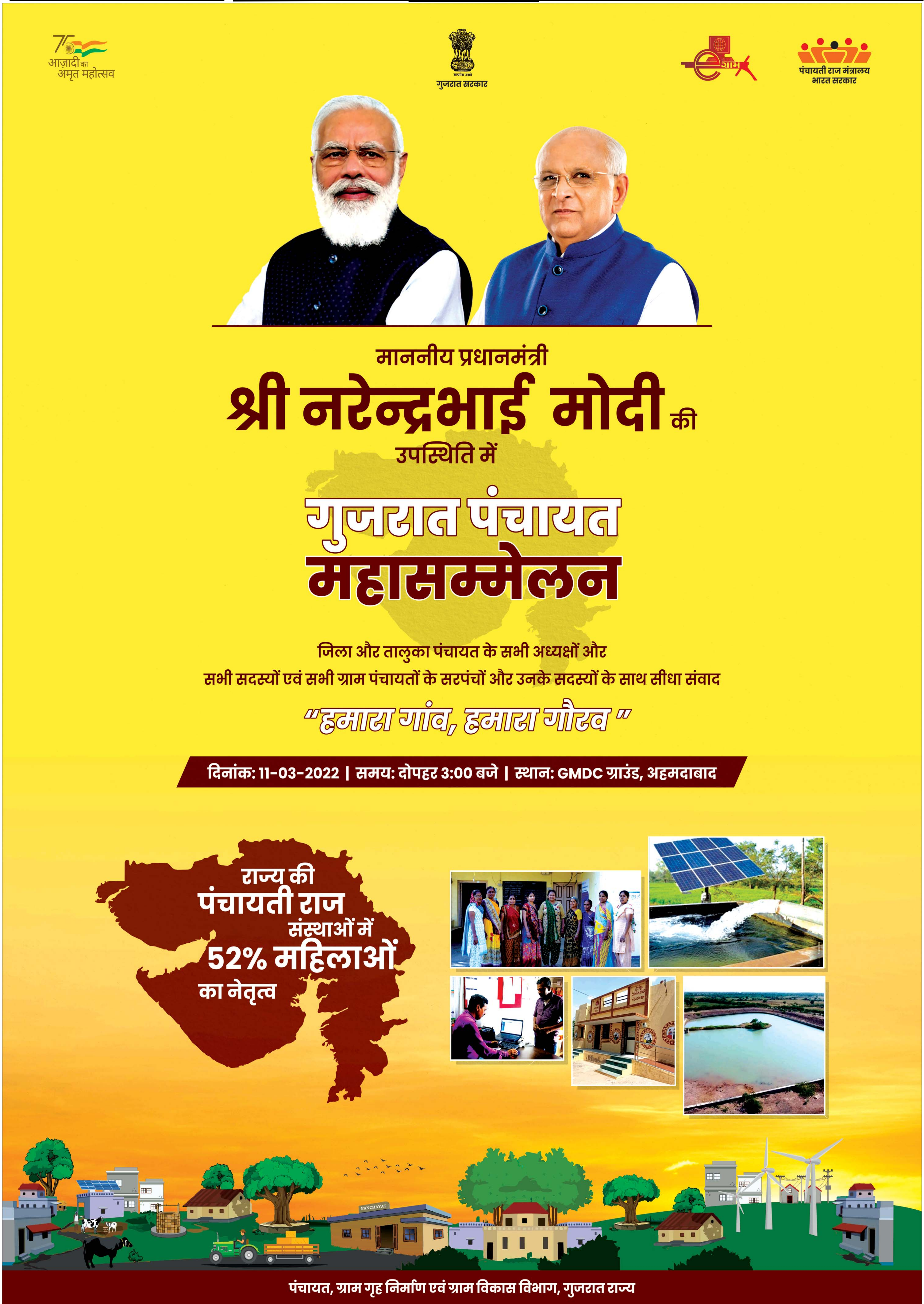
आज़ादी का अमृत महोत्सव
गुजरात सरकार
पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार
माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्रभाई मोदी की
उपस्थिति में
गुजरात पंचायत महासम्मेलन
जिला और तालुका पंचायत के सभी अध्यक्षों और
सभी सदस्यों एवं सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों और उनके सदस्यों के साथ सीधा संवाद
"हमारा गांव, हमारा गौरव"
दिनांक: 11-03-2022 | समय: दोपहर 3:00 बजे | स्थान: GMDC ग्राउंड, अहमदाबाद
राज्य की पंचायती राज संस्थाओं में 52% महिलाओं का नेतृत्व
PANCHAYAT
पंचायत, ग्राम गृह निर्माण एवं ग्राम विकास विभाग, गुजरात राज्य

पीएम मोदी आज से दो दिन के गुजरात दौरे पर, भाजपा की भव्यातिभव्य स्वागत की तैयारी

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन के चलते उनके रूट और कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। आज पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद अब गुजरात में होनेवाले चुनाव की तैयारियों को लेकर पीएम मोदी भाजपा के सांसद, विधायक और पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठ करेंगे। उत्तर प्रदेश समेत राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा के मोडल स्टेट गुजरात पर सभी राजनीतिक दलों की नजर होगी। इसी वर्ष के अंत में गुजरात विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। कोरोनाकाल के दो साल बाद पीएम मोदी पहली बार दो बड़े कार्यक्रमों में शिरकत करने गुजरात आ रहे हैं। पीएम मोदी के भव्यातिभव्य स्वागत की भाजपा तैयारी कर रही हैं। गुजरात दौरे के पहले दिन 11 मार्च को पीएम मोदी अहमदाबाद एयरपोर्ट से सीधे भाजपा के प्रदेश कार्यालय कमलम में जाएंगे। अहमदाबाद एयरपोर्ट से गांधीनगर के कोबा स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम तक पीएम मोदी का रोड शो होगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। प्रदेश कार्यालय में पीएम मोदी पार्टी प्रमुख समेत नेता और सांसद-विधायकों के साथ बैठक करेंगे। जिसके बाद अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित सरपंच सम्मेलन में शामिल होंगे। दूसरे दिन 12 मार्च को पीएम मोदी गांधीनगर के वलाद स्थित रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में गुजरात खेल महाकुंभ 2022 का शुभारंभ कराएंगे। दूसरी ओर पीएम मोदी के रूट और उनके कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जीएमडीसी ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरपंच सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जबकि सरदार पटेल स्टेडियम में पीएम मोदी खेल महाकुंभ का शुभारंभ कराएंगे। सरदार पटेल स्टेडियम में 1 आईजी, 1 डीआईजी, 5 डीसीपी, 9 एसीपी, 35 पीआई, 157 पीएसआई, 615 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत 822 जवानों को तैनात करने का आदेश दिया गया हैं। अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में 1 आईजी, 11 डीसीपी, 15 एसीपी, 48 पीआई, 163 पीएसआई, 1615 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत कुल 1853 जवानों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 1 आईजी, 3 डीसीपी, 4 एसीपी, 12 पीआई, 50 पीएसआई, 800 हेड कांस्टेबल [illegible] 870 के अलावा 1 ट्रैफिक के आईजी, 5 डीसीपी, 10 एसीपी, 29 पीआई, 60 पीएसआई, 1900 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत कुल 2005 पुलिसकर्मियों की तैनात किया गया हैं।

गुजरात में कोरोना के 57 नए मरीज, 111 लोग ठीक होकर घर लौटे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुरुवार को गुजरात में 57 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 111 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 99.06 प्रतिशत हैं। आज राज्यभर में 89979 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया। फिलहाल राज्य में कोरोना के 608 सक्रिय मरीजों में 606 स्टेबल हैं और केवल 2 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। अब तक राज्य में 1211929 लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं, जबकि 10938 लोगों की मौत हो गई। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक कोरोना के 28 मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए। भावनगर कॉर्पोरेशन और गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 4-4, सूरत और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3-3, बनासकांठा, डांग, सूरत कॉर्पोरेशन, वडोदरा में 2-2, आणंद, भरुच, दाहोद, गांधीनगर, खेडा, कच्छ और राजकोट में 1-1 समेत राज्य में कुल 57 कोरोना पॉजिटिव केस पिछले 24 घंटों में दर्ज हुए हैं। जबकि 23 जिले और 2 महानगर पालिकाओं में कोरोना का एक भी मामला पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ। वहीं 14 जिले और एक महानगर पालिका में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं हैं। दूसरी ओर राज्य में आज 89979 लोगों को कोराना का टीका लगाया गया। इसके अंतर्गत 18 वर्ष से अधिक आयु के 7784 को पहला और 40517 को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 2066 किशोरों को पहली और 28258 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। जबकि 11354 लोगों को प्रीकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 103809555 नागरिकों को वैक्स

गुजरात में पेट्रोल-डीजल की कमी

पेट्रोल-डीजल का हाल में राज्य और भारत में सीमित स्टोक

कुछ दिनों में क्रूड ऑइल की भी कमी है, जिसकी वजह से यह कमी लंबे समय तक राज्य में रहने की संभावना है

अहमदाबाद, १० मार्च।

गुजरात में हाल में यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध की वजह से अब गुजरात की स्थिति बदतर होने की संभावना है। पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन द्वारा चौंकाने वाला आंकड़ा जारी किया गया था। जिसमें चौंकाने वाली सामने आई है कि, पेट्रोल और डीजल का हाल में गुजरात और भारत में सीमित स्टोक है। कुछ दिनों में क्रूड ऑइल की भी कमी है, जिसकी वजह से यह कमी लंबे समय तक राज्य में रहने की संभावना है। यहां उल्लेखनीय है कि, यह स्थिति का निराकरण कुछ दिनों में आये ऐसी संभावना भी कम है। दो दिन से गुजरात में टेक्रर्स डिपो में जाता तो है लेकिन वहां यह मात्रा नहीं होने की वजह से ट्रक पड़े रहते है। अब स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि, डिपो के बाहर खटारा की लंबी लंबी लाइनें लग रही है। इस मामले में पेट्रोल पंप एसोसिएशन के प्रमुख ने भी स्वीकार किया है। उन्होंने बताया है कि, ऐसी ही स्थिति रहेगी तो यह दिन दूर नहीं है जबकि गुजरात में पेट्रोल और डीजल के लिए नागरिकों को भटकना पड़ेगा। इस मामले में फिलहाल तो एसोसिएशन द्वारा गांधीनगर सिविल सप्लाई विभाग और ऑइल कंपनियों को भी पेशकश की गई है। इसके अलावा गुजरात के कुल ७ जिले और एक केंद्रशासित प्रदेश में पेट्रोल की कमी चालू हो चुकी है। जिसमें राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, देवभूमि द्वारका, अमरेली, गीरसोमनाथ और दीव में पेट्रोल तथा डीजल की मात्रा को रोक दिया गया है। आईओसी द्वारा फिलहाल आपूर्ति पहले जैसे करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि यह सप्लाई फिर एक बार पहले जैसा हो इसमें समय लग सकता है यह इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन द्वारा आधिकारिक रूप से जानकारी दी गई थी। हालांकि यूक्रेन और रूस के बीच का युद्ध शांत नहीं हुआ तो वह दिन दूर नहीं है जबकि पेट्रोल पंप पर लंबी लाइनें होगी।

अडानी ने सीएनजी की कीमत में दो रुपये की वृद्धि की

प्रति किलो गैस की कीमत ७३.०९ रुपया हो गया है, सीएनजी की कीमत में वृद्धि होने की वजह से रिक्शा चालक और अन्य वाहन चालकों को नुकसान हो सकता है

अहमदाबाद, १० मार्च।

गुजरात में सीएनजी की कीमत में लगातार वृद्धि हो रही है और इसका आंकड़ा पेट्रोल और डीजल के कीमत से निकट जा रहा है। सीएनजी के साथ पीएनजी में भी वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

अडानी ने सीएनजी की कीमत में दो रुपये की वृद्धि की है और इसके साथ प्रति किलो गैस की कीमत ७३.०९ रुपया हो गया है। सीएनजी की कीमत में वृद्धि होने की वजह से रिक्शा चालक और अन्य वाहन चालकों को नुकसान हो सकता है। अडानी ने सीएनजी की कीमत में वृद्धि होने पर फिर एक बार रिक्शा चालक मैदान में उतरकर विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। अडानी ने सीएनजी की कीमत में दो रुपये की वृद्धि करने पर अब कीमत ७३.०९ रुपया हो गया है। सीएनजी की कीमत में वृद्धि होने की वजह से जिस उद्योगों में प्राकृतिक गैस का उपयोग होता है ऐसा केमिकल, ग्लास, सिरामिक, एग्रोकेमिकल और टेक्साइल को नुकसान हो सकता है। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध की वजह से क्रूड ऑइल के प्रति बेलर कीमत में भी लगातार वृद्धि हो रही है। इस वृद्धि की वजह से भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमत मं वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। सीएनजी की कीमत में वृद्धि होने की वजह से फिर से एक बार रिक्शा चालक हड़ताल की चेतावनी के साथ मिनिमम किराये में वृद्धि करने की मांग कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने राज्य के सीएनजी पंप धारक हड़ताल पर उतर गये थे। जिसमें १२०० सीएनजी पंप धारकों ने दो घंटे के लिए सीएनजी की बिक्री बंद रखा गया। यह पीछे की वजह से ऑइल कंपनी और डीलर्स के बीच बिक्री के मार्जिन को लेकर विवाद चल रहे होने का मालूम हुआ था। आज ऊत्तरप्रदेश और पंजाब सहित पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव के परिणाम आ रहे है। ऐसे में परिणाम बाद पेट्रोल और डीजल की कीमत में वृद्धि होने की अटकलें लगाये जा रहे हैं।

१७ वर्ष की किशोरी १४ वर्ष के किशोर को भगाकर ले गई

सूरत, १० मार्च।

अब प्रेम की कोई सीमा नहीं रही है। १० वर्ष के किशोर से लेकर १०० वर्ष के बुजुर्ग को भी प्रेम हो जाता है।

अब यह प्रेम सीमा पार कर जाए तब हंगामा हो जाता है। सूरत में १७ वर्ष की किशोरी १४ वर्ष के किशोर को लेकर भाग गई थी। दोनों वापस आने के बाद किशोरी ने संबंध बनाये होने का कहने पर दोनों के मां-पिता के पैर नीचे से जमीन खिसक गई थी। अब पुलिस ने किशोर को हिरासत में लिया है। सूरत की १४ वर्ष की किशोरी और १७ वर्ष का किशोर फिलहाल चर्चा होने लगी है। २० दिन पहले वराछा क्षेत्र की १७ वर्ष की किशोरी लापता हो गई थी। इसके पिता ने पुलिस स्टेशन में अपहरण की शिकायत दर्ज की थी। जिसके बाद किशोरी खुद ही घर पर वापस आ गई थी। परिजनों ने इसकी पूछताछ करने पर इसने बताया है कि, वह फूटपाथ पर रहते एक किशोरी किशोर के साथ भाग गई थी। किशोरी ने पुलिस के खिलाफ भी खुलासा किया कि, वह जिस किशोर के साथ भाग गई वह १४ वर्ष का था। भाग जाने के बाद दोनों ने शारीरिक संबंध भी बनाया था।

यह जानकर मां-पिता के पैर नीचे से जमीन खिसक गई थी। अब पिता ने अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपहरण की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने किशोर को हिरासत में लिया है। किशोरी के निवेदन के बाद अब इसमें बलात्कार और पोक्सो के तहत धाराएं भी लगाई गई है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों से गुजरात भाजपा और आप में उत्सव का माहौल

अहमदाबाद (ईएमएस) पांच राज्यों की चुनावों में भाजपा के उत्साहजनक प्रदर्शन लेकर गुजरात भाजपा की ओर से उत्सव मनाया गया है। गांधीनगर स्थित कमलम व अहमदाबाद स्थित भाजपा कार्यालय में उत्सव का माहौल दिखाई दिया। वहीं दूसरी ओर पंजाब में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत से गुजरात आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहौल दिखाई दिया। गांधीनगर स्थित गुजरात प्रदेश भाजपा कार्यालय कमलम में भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं की ओर से गरबा कर भाजपा की जीत का उत्सव मनाया। वहीं अहमदाबाद के खानपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर भी पटाखा छोड़ और रंगों की होली खेल गाजे बाजे के साथ जीत का जश्न मनाया। वहीं दूसरी ओर पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के शानदार प्रदर्शन को देख गुजरात में पार्टी के कार्यकर्ता भी उत्साहित हो गए। अहमदाबाद में आम आदमी पार्टी कार्यालय पर पंजाब की जीत को लेकर पटाखे छोड़ व ढोल-नगारे बजाकर और गरबा कर विजय का उत्सव मनाया गया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष गुजरात में भी विधानसभा चुनाव होने वाले है इसे देखते इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद गुजरात की राजनीति में चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणीपुर और गोवा में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की हैं। वहीं पंजाब में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रकाशसिंह बादल, सुखवीरसिंह बादल, अमरेन्द्रसिंह, नवजोतसिंह सिद्धू और चरणजीत चन्नी जैसे कई धुरंधरों को धूल चटा दी हैं। पंजाब में शानदार प्रदर्शन से गद गद गुजरात आप को उम्मीद है कि राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में जनता उसे एक मौका जरूर देगी।

दिल्ली और पंजाब के बाद गुजरात की जनता भी 'आप' को एक मौका देगी : इशुदान गढवी

अहमदाबाद (ईएमएस) देश की राजधानी दिल्ली और सीमावर्ती राज्य पंजाब के बाद अब गुजरात की जनता आम आदमी पार्टी (आप) को आगामी विधानसभा चुनाव में एक मौका जरूर देगी। यह करना है गुजरात आप के नेता इशुदान गढ़वी हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने आप को मौका दिया तो वहां शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार हुआ। बिजली मुफ्त देने के बावजूद दिल्ली सरकार के बजट में घाटा नहीं बल्कि मुनाफा हो रहा हैं। इसी प्रकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भरोसा कर पंजाब में आप को बंपर जीत दिलाई है और वहां भी दिल्ली मॉडल लागू होगा। गढ़वी ने कहा कि 27 साल कांग्रेस और 27 वर्ष भाजपा का शासन गुजरात की जनता देखा हैं। गुजरात की जनता भी अगर आप को अवसर देगी तो पता चलेगा कि सरकार कैसे चलती हैं। गौरतलब है गुजरात में पिछले साल हुए महानगर और नगर पालिका चुनावों में सभी बड़े शहरों में अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। लेकिन उसे सफलता केवल सूरत में मिली, जहां उसने नगर निगम की 28 सीटें जीत कर कांग्रेस का विपक्षी पद हासिल कर लिया था। सूरत नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला। पंजाब विधानसभा चुनाव में बंपर जीत के बाद गुजरात आप के नेता और कार्यकर्ता गद गद है और आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साहित हैं।

स्टेट जीएसटी की नोटिस आने से हुआ खुलासा

अहमदाबाद में मृत व्यक्ति के नाम पर हुआ १५० करोड़ का घोटाला

अहमदाबाद, १० मार्च।

अहमदाबाद में मृत व्यक्ति के नाम पर फर्जी दस्तावेजों को पेश करके खोले गये बैंक अकाउंट में करोड़ों के व्यवहार होने पर स्टेट जीएसटी की टीम भी आश्चर्य में पड़ गई है, तो दूसरी तरफ ३ वर्ष बाद इस मामले में पुलिस ने शिकायत दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

अब यह देखना है कि पुलिस की जांच में क्या नया खुलासा होता है। अहमदाबाद के शाहपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हुई है कि मृत व्यक्ति के नाम पर फर्जी किराया करार बनाकर सरकार और शिकायतकर्ता के साथ धोखाधड़ी की गई है। शाहपुर के निवासी और दर्जी काम करते वासुभाई तिवर ने शिकायत दर्ज की गई है कि, उन्होंने बैंक अकाउंट खोलने के लिए जो दस्तावेज दिया था। उनका गलत उपयोग करके उनके मृत पिता के नाम पर फर्जी किराया करार बनाकर वासुदेव ट्रेडर्स के नाम पर अकाउंट खोलकर करोड़ों के व्यवहार किया गया है। जिस मामले में जीएसटी विभाग की नोटिस देने पर मामला सामने आया है।

इस मामले में शाहपुर पुलिस पंकज राजपूत विरूद्ध अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। चांदखेडा के निवासी आरोपी पंकज राजपूत ने शिकायतकर्ता को बैंक में से ५ लाख की लोन दिलाने के बहाने बैंक का खाता खुलवाकर १५० करोड़ के व्यवहार किया है। इसके साथ ही उनके पिता के मौत के ४ महीने बाद का किराया करार पेश किया गया था। जिसकी वजह से उनके साथ धोखाधड़ी हुई होने का सामने आया है। इसके अलावा १५० करोड़ के व्यवहार मामले में राज्य सरकार के साथ भी टैक्स चोरी किए जाने का सामने आया है जिस मामले में शाहपुर पुलिस जांच कर रही है। शिकायतकर्ता और राज्य सरकार के साथ धोखाधड़ी के इस अपराध में ३ वर्ष की लड़ाई बाद शिकायत दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने हाईकोर्ट के द्वार भी खटखटाया था और कोर्ट के आदेश बाद ३ महीना बीतने के बाद पुलिस ने शिकायत दर्ज की है।

गुजरात भाजपा विधायक ने कहा- पांच राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ

अहमदाबाद (ईएमएस) देश के पांच राज्यों में हुए विधानसभा के चुनाव नतीजों का गुजरात में असर दिखने लगा हैं। गुजरात भाजपा के विधायक आत्माराम परमार ने कहा कि पांच राज्यों के जो नतीजे सामने आ रहे हैं, उसमें कांग्रेस का सूपड़ा साफ होता नजर आ रहा हैं। बता दें कि गुजरात विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है और कांग्रेस सत्तारूढ़ दल भाजपा पर को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रही हैं। ऐसे में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों से कांग्रेस विधायकों निराशा जरूर होगी, क्योंकि इस साल के अंत में गुजरात विधानसभा के चुनाव होना हैं। दूसरी ओर चुनाव नतीजों से भाजपा विधायक गद गद हैं। चुनाव नतीजों को लेकर भाजपा विधायक आत्माराम परमार ने कहा कि पांच राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया हैं। नतीजों के बारे में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि देशभर में फिर एक बार भगवा लहराया हैं। सभी राज्यों में भाजपा ने जनहित में काफी काम किया है और उस कामों के लिए जनता ने भाजपा को वोट दिया हैं। पीएम मोदी समेत भाजपा पर लोगों का भरोसा अडिग हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने गुंडा राज खत्म किया है और गरीबों के लिए जो काम किया है उसका असर नतीजों में दिख रहा हैं। करीब साढ़े तीन दशक के बाद उत्तर प्रदेश में कोई सरकार रिपीट हुई हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि विधानसभा चुनावों के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चार राज्यों में भाजपा दोबारा सरकार बनाने जा रही हैं। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अथक प्रयासों से यह संभव हुआ हैं।

नायरा ने पेट्रोल की आपूर्ति अचानक बंद कर दिया

सौराष्ट्र के सात जिलों में पेट्रोल-डीजल की प्राकृतिक कमी

पेट्रोल और डीजल नहीं मिलेगा यह जानकारी मिलने पर लोग ज्यादा खरीदी कर रहे होने की जानकारी मिली है

राजकोट, १० मार्च।

सौराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की कमी पैदा होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार नायरा एनर्जी ने सप्लाई बंद करने पर राजकोट और जामनगर सहित सौराष्ट्र के सात जिलों में पेट्रोल की प्राकृतिक कमी पैदा हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जामनगर के वाडीनार रिफाइनरी से नायरा एनर्जी सौराष्ट्र में पेट्रोल की सप्लाई करता है।

मंगलवार को कोई भी कारण बताये बिना ही कंपनी पेट्रोल की आपूर्ति देना बंद कर देने पर भारी कमी पैदा होगी! फेडरेशन ऑफ गुजरात पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के प्रमुख ने गुजरात के नागरिक आपूर्ति विभाग तथा अन्य पेट्रोलियम कंपनियों को तत्काल प्रभाव से पत्र लिखकर और हस्तक्षेप करने के लिए कहा गया यह जानकारी मिली है। उन्होंने पत्र में बताये अनुसार नायरा एनर्जी के पास से आईओसी, बीपीसीएल और एपीसी पेट्रोल और डीजल की खरीदी करता है। कंपनी ने कोई भी अग्रिम जानकारी बिना ही पेट्रोल की सप्लाई बंद करने पर सौराष्ट्र के सात जिलों में पेट्रोल की कमी पैदा होने की संभावना है। यदि वैश्विक व्यवस्था नहीं की गई तो कई पेट्रोल पंप खाली होने की दहशत है। यह ७ जिलों में पेट्रोल-डीजल की प्राकृतिक कमी पैदा हो सकती है। जिसमें राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, अमरेली, द्वारका, गीर सोमनाथ और जूनागढ़ भी शामिल है।

फेडरेशन के सेक्रेटरी ने मीडिया को बताये अनुसार उपरोक्त जिलों में ९०० से ज्यादा पेट्रोल पंप स्थित है और उनकी रोजाना की खपत करीब २० लाख लीटर की है। कंपनी ने अचानक ही पेट्रोल की सप्लाई रोक देने पर पेट्रोल पंप पर अब गुरुवार को शाम को तक चले इतनी ही मात्रा है। यदि सप्लाई नियमित शुरू नहीं होगी तो भारी मुश्किल का सामना करना पड़ेगा यह तो निश्चित है। दूसरी तरफ पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा तो यह जानकारी मिलने पर लोग ज्यादा खरीदी कर रहे होने की जानकारी मिली है।

अहमदाबाद मंडल द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे की 23 ट्रेनों में अनारक्षित टिकट जारी किए जाएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे की 23 मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में दिनांक 11 मार्च 2022 से उनके गंतव्य स्थान तक अनारक्षित टिकट जारी किये जाएंगे। इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 22483 जोधपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस
2. ट्रेन संख्या 22934 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस
3. ट्रेन संख्या 19056 जोधपुर-वलसाड एक्सप्रेस
4. ट्रेन संख्या 22473 बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस
5. ट्रेन संख्या 22916 हिसार-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस
6. ट्रेन संख्या 20483 भगत की कोठी-दादर एक्सप्रेस
7. ट्रेन संख्या 22966 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस
8. ट्रेन संख्या 12489 बीकानेर-दादर एक्सप्रेस
9. ट्रेन संख्या 19574 जयपुर-ओखा एक्सप्रेस
10. ट्रेन संख्या 14707 बीकानेर-दादर रणकपुर एक्सप्रेस
11. ट्रेन संख्या 12479 जोधपुर-बांद्रा टर्मिनस सूर्य नगरी एक्सप्रेस
12. ट्रेन संख्या 14701 श्रीगंगानगर-बांद्रा टर्मिनस अमरापुरा अरावली एक्सप्रेस
13. ट्रेन संख्या 22932 जैसलमेर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस
14. ट्रेन संख्या 12990 अजमेर-दादर एक्सप्रेस
15. ट्रेन संख्या 16588 बीकानेर-यशवंतपुर एक्सप्रेस
16. ट्रेन संख्या 16533 जोधपुर-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस
17. ट्रेन संख्या 16507 जोधपुर-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस
18. ट्रेन संख्या 22664 जोधपुर-चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस
19. ट्रेन संख्या 16311 श्रीगंगानगर-कोचुवेली एक्सप्रेस
20. ट्रेन संख्या 17624 श्रीगंगानगर-हुजूर साहेब नांदेड़ एक्सप्रेस
21. ट्रेन संख्या 22738 हिसार-सिकंदराबाद एक्सप्रेस
22. ट्रेन संख्या 20824 अजमेर-पुरी एक्सप्रेस
23. ट्रेन संख्या 11089 भगत की कोठी-पुणे एक्सप्रेस

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे का स्पेशल विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय

अहमदाबाद (ईएमएस) होली त्योहार 2022 के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्याध के मद्देनज़र पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस से बरौनी, अजमेर एवं गोरखपुर के लिए स्पे शल ट्रेनें (प्दत्े जर्म्र्ट्ूग्हे) चलाने का निर्णय लिया गया है। ये स्पेरशल ट्रेनें विशेष किराये पर (केवल आरक्षित डिब्बे) चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उपरोक्त ट्रेनों (प्दत्े जर्म्र्ट्ूग्हे) का विवरण इस प्रकार हैः-

ट्रेन संख्या 09061/09062 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी जं. स्पेउशल (2 फेरे)

ट्रेन संख्या 09061 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी जं. स्पे्शल ट्रेन मंगलवार, 15 मार्च, 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 11:00 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 06.00 बजे बरौनी जंक्शन पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन (प्दत्े जर्म्र्ट्ूग्हे) संख्या 09062 बरौनी जं.- बांद्रा टर्मिनस स्पे्शल ट्रेन गुरुवार, 17 मार्च, 2022 को बरौनी जं. से 22.30 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 17.50 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुरसिटी, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पं दीनदयाल उपाध्याय जं, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र एवं हाजीपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09622/09621 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर जं. सुपरफास्ट स्पेशल (4 फेरे)

ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर जं. सुपरफास्ट स्पेसशल सोमवार, 21 एवं 28 मार्च, 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 11.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.10 बजे अजमेर जंक्शन पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन (प्दत्े जर्म्र्ट्ूग्हे) संख्या 09621 अजमेर जं.-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पे शल रविवार, 20 एवं 27 मार्च, 2022 को अजमेर जं. से 06.35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर एवं किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच हैं।

ट्रेन संख्या 05404 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल शनिवार, 12, 19 और 26 मार्च, 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 19.25 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 06.25 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन (प्दत्े जर्म्र्ट्ूग्हे) संख्या 05403 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शुक्रवार, 11, 18 और 25 मार्च, 2022 को गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 16.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन (प्दत्े जर्म्र्ट्ूग्हे) दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती और खलीलाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन (प्दत्े जर्म्र्ट्ूग्हे) संख्या 09061 एवं 09622 की बुकिंग 11 मार्च, 2022 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री .हल्बि.ग्र्हैंग्तु.दन्.ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

केरल नए उत्पादों और विविध अनुभवों के गुलदस्ते के साथ स्वागत करेगा पर्यटकों का

अहमदाबाद, 10 मार्चः महामारी से पहले की तरह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के फिर से शुरू होने के साथ, केरल देश और विदेश के पर्यटकों को कारवां, लंबे समय तक रहने और रुचि के अनुसार (कस्टमाइज्ड) छुट्टियों सहित नए अनुभवों और उत्पादों का एक गुलदस्ता प्रदान करने के लिए तैयार है।

राज्य के पर्यटन निदेशक श्री वी. आर. कृष्णा तेजा ने आज यहां पार्टनरशिप मीट के दौरान संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य के हमेशा से पसंद किए जाने वाले स्थानों जैसे समुद्र तटों, हिल स्टेशनों, बैकवाटर और हाउसबोट्स के साथ-साथ पूरे साल मेहमानों की मेजबानी करने के लिए पर्यटन गतिविधियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं और केरल कई तरह के विकल्पों को उपलब्ध कराने का वादा करता है।

इस समय हमारा ध्यान घरेलू पर्यटन पर है, जिसमें गुजरात एक प्रमुख बाजार है, क्योंकि राज्य पारंपरिक रूप से केरल पर्यटन में एक प्रमुख सहयोगी की भूमिका निभाता रहा है,ठ श्री तेजा ने कहा।

उन्होंने कहा कि डेस्टीनेशन-स्पेसिफिक एप्रोच (गंतव्य-विशिष्ट दृष्टिकोण) में एक बड़ा बदलाव करते हुए, संपूर्ण केरल खुद को विस्तारित छुट्टियों के लिए एक आदर्श स्थान के रूप में अनगिनत अनुभवों के साथ एक नए अंदाज में पुनः स्थापित कर रहा है। जैसे होमस्टे, ड्राइव हॉलिडे, 'चेंज ऑफ एयर' आधारित वेलनेस वेकेशन और साहसिक पर्यटन गतिविधियां।

ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री ने केरल पर्यटन के नए उत्पादों में गहरी दिलचस्पी दिखाई है और पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि के साथ राज्य के लिए यह एक व्यस्त वर्ष होने वाला है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95